राष्ट्रीय सरोकारों से परिपूर्ण समाचार पत्र

मासिक समाचार पत्र

अतुल्य लोकतंत्र

Postal REGN. : L-2/Faridabad/330/2022-24

Email : atulyaloktantra09@gmail.com

वर्ष : 08 | अंक : 06 | फरीदाबाद, अगस्त , 2023 | संपादक : दीपक कुमार शर्मा | RNI NO. HARBIL/2016/74676 | Mob.: 9899222656, 8527791656 | मूल्य : 15 रुपए | पृष्ठ : 8

कश्मीर से कन्याकुमारी तक आजादी का जश्न

अगले पांच साल देश के लिए सबसे बड़ा स्वर्णिम पल बनेंगे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : पीएम मोदी

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आगामी पांच सालों को भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में सबसे बड़ा स्वर्णिम पल करार दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया कि वे इस अवसर को न गंवाएं क्योंकि इस कालखंड में उठाए गए कदम आने वाले एक हजार साल के इतिहास का निर्माण करेंगे। इस मौके पर देश को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, बदलाव का वादा मुझे यहां ले आया। मेरा प्रदर्शन मुझे एक बार फिर यहां ले आया। आने वाले पांच साल अभूतपूर्व विकास के हैं। 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में भारत के सपने को साकार करने के लिए यह एक स्वर्णिम क्षण है। पीएम मोदी ने कहा, भारत अस्थिरता के युग से मुक्त हो गया है। 2014 में हम 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थे। आज 140 करोड़ नागरिकों के प्रयासों से हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। यह यूं ही नहीं हुआ। भ्रष्टाचार के जिस दानव ने देश को अपने चंगुल में जकड़ रखा था- हमने उसे रोका और एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाई। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि वह अगले पांच सालों में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनाकर रहेंगे।

पहली बार जनता के लिए किया परिवारजन शब्द का उपयोग

● प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार 10वीं बार लाल किले की प्राचीर से तिरंगा झंडा फहराया और देश को संबोधित किया। इस बार पीएम मोदी ने देश की जनता को देशवासियों की जगह परिवारजन कहकर संबोधित किया और 2024 में जीत का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि अगले साल इसी लाल किले से तिरंगा फहराएंगे और जिन योजनाओं का शिलान्यास किया है उनका उद्घाटन भी करेंगे।

नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी...

2014 के लोक सभा चुनाव के नतीजों के साथ ही देश में नेहरू और इंदिरा युग की तरह मोदी युग की शुरुआत हुई। वैसे तो 1984 के लोक सभा चुनाव के 30 साल बाद जनता ने किसी दल को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने का मौका दिया लेकिन दूसरे मायने में देखा जाए तो 1980 के बाद पहली बार 2014 में कोई नेता सिर्फ अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना पाया था। 2019 में एक तरफ जहां भाजपा ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल की तो वहीं कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को अपनी पारिवारिक लोकसभा सीट अमेठी से भी हार का सामना करना पड़ा।

राहुल गांधी कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा निकालकर वह अपनी क्षमता को भी साबित कर चुके हैं। सड़क से लेकर संसद तक वह लगातार सरकार या यूं कहें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सीधी लड़ाई भी लड़ते हुए नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद न तो उनकी अपनी पार्टी और न ही उनके गठबंधन के सहयोगी दल यह चाहते हैं कि 2024 की लड़ाई मोदी बनाम राहुल की लड़ाई बन जाए। कहने को कहा जा सकता है कि, कांग्रेस के साथ गठबंधन में शामिल हर राजनीतिक दल का नेता अपने आपको प्रधानमंत्री पद का दावेदार मान कर चल रहा है इसलिए वे नहीं चाहते कि राहुल गांधी उनको लीड करते नजर आएं लेकिन इसकी गहराई में जाने पर इसका वास्तविक कारण भी उभर कर सामने आ जाता है।

वैसे तो भारत में शासन की संसदीय प्रणाली को चुना गया है, जिसमें जनता अपने वोट के द्वारा सांसद चुनती है और जनता द्वारा चुने गए सांसद बहुमत के आधार पर देश का प्रधानमंत्री चुनते हैं। कहने को तो इस प्रणाली में भारत की जनता सीधे प्रधानमंत्री का चुनाव नहीं करती है लेकिन आजादी के बाद से ही व्यवहारिक राजनीतिक स्थिति पूरी तरह से इस सिद्धांत के विपरीत ही रही है। आजादी के बाद के कई दशकों तक तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के करिश्माई व्यक्तित्व के कारण ही कांग्रेस चुनाव जीतती रही है और उस दौर में तो यहां तक कहा जाता था कि लोक सभा चुनाव के लिए कांग्रेस का टिकट मिलना सांसद बनने की गारंटी है। अर्थात एक मायने में देखा जाए तो उस दौर में सांसद मिलकर अपने प्रधानमंत्री का चुनाव नहीं करते थे बल्कि प्रधानमंत्री यह तय करते थे कि उनकी पार्टी से सांसद कौन बनेगा। नेहरू के बाद लाल बहादुर शास्त्री कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री बने लेकिन उनके बाद नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनी। इंदिरा गांधी ने पहले अपने पिता नेहरू की विरासत और बाद में अपनी लोकप्रियता के सहारे अपने इर्द-गिर्द एक ऐसा आभामंडल तैयार कर लिया कि उनकी चमक के सामने के. कामराज जैसे दिग्गज नेता भी असफल हो गए। इसके बाद इंदिरा गांधी जब तक जीवित रहीं, अपनी पार्टी और सरकार की सर्वोच्च नेता रहीं (मोरारजी देसाई और चरण सिंह के छोटे से कार्यकाल को छोड़कर)। दुर्भाग्यपूर्ण हालात में सिख आतंकवाद के दौर में उनके अपने ही अंगरक्षकों ने उनकी हत्या कर दी। उनकी विरासत के कारण राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने और उनकी हत्या से उपजी सहानुभूति की लहर पर सवार होकर 400 से ज्यादा सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने। हालांकि देश के इतिहास पर कई बड़े प्रभाव डालने के फैसले और लोकप्रियता के बावजूद बोफोर्स के दाग ने कुछ ही वर्षों में उनकी चमक फीकी कर दी। 1989 के चुनाव में राजीव गांधी को हार का सामना करना पड़ा और 1991 लोक सभा चुनाव के चुनाव प्रचार के दौरान ही उनकी हत्या हो गई। इसके बाद नरसिम्हा राव ने पांच साल तक अल्पमत सरकार चलाई। एचडी देवेगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल कांग्रेस के समर्थन से थोड़े-थोड़े समय प्रधानमंत्री रहे। लेकिन 1998 में एनडीए गठबंधन के नेता के तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री बनने के बाद एक फिर से नेहरू और इंदिरा का दौर आंशिक रूप से लौटता नजर आया। एक वोट से सरकार गिरने के बाद 1999 के लोकसभा चुनाव को भाजपा ने अटल बिहारी वाजपेयी बनाम कौन का चुनाव बना दिया और गठबंधन का नेतृत्व करने के बावजूद अटल बिहारी वाजपेयी इस लड़ाई में सब पर भारी पड़े। 2004 के लोकसभा चुनाव में महज कुछ सीटों के अंतर से भाजपा को पछाड़ कर सहयोगी दलों की संख्या के आधार पर यूपीए की सरकार बनी और सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाकर सत्ता पर अपनी पकड़ को बरकरार रखने का नायाब तरीका ढूंढ निकाला। कांग्रेस के रणनीतिकार भले ही इस बात से इंकार करें लेकिन 2009 का लोकसभा चुनाव लालकृष्ण आडवाणी के आक्रामक चुनाव प्रचार अभियान के कारण मनमोहन बनाम आडवाणी का चुनाव बन गया और और इस लड़ाई में मनमोहन सिंह लालकृष्ण आडवाणी पर भारी पड़ गए। 2014 के लोक सभा चुनाव के नतीजों के साथ ही देश में नेहरू और इंदिरा युग की तरह मोदी युग की शुरुआत हुई। वैसे तो 1984 के लोक सभा चुनाव के 30 साल बाद जनता ने किसी दल को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने का मौका दिया लेकिन दूसरे मायने में देखा जाए तो 1980 के बाद पहली बार 2014 में कोई नेता सिर्फ अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना पाया था। 2019 में एक तरफ जहां भाजपा ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल की तो वहीं कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को अपनी पारिवारिक लोकसभा सीट अमेठी से भी हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद से ही कांग्रेस मोदी बनाम राहुल के चुनावी नैरेटिव से बचने की कोशिश करती रही है। जबकि भाजपा अपने लिए मोदी बनाम राहुल की चुनावी लड़ाई के नैरेटिव को फायदेमंद मानते हुए हर चुनाव को इसी पैटर्न पर ले जाने की कोशिश करती नजर आती है। दरअसल, केंद्र की सरकार में 9 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद तमाम सर्वे यह बताते हैं कि नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। स्थानीय स्तर पर लोग अपने सांसद से नाराज हो सकते हैं, महंगाई को लेकर परेशान भी हो सकते हैं लेकिन जब भी बात प्रधानमंत्री पद की आती है तो उनकी पहली पसंद नरेंद्र मोदी ही होते हैं और शायद यही वजह है कि कांग्रेस के रणनीतिकार यह नहीं चाहते हैं कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह 2024 में भी लोकसभा चुनाव नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी की लड़ाई में बदलती नजर आए इसलिए कांग्रेस नेतृत्व की बजाय मुद्दों पर ज्यादा फोकस करती नजर आती है लेकिन एक खास रणनीति के तहत भाजपा हर बार अपने नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगे कर चुनावी लड़ाई को नेतृत्व की लड़ाई यानी चेहरे की लड़ाई में बदलने की कोशिश करती नजर आती है क्योंकि उसे इस बात का बखूबी अहसास है कि मोदी बनाम राहुल की चुनावी लड़ाई में पलड़ा मोदी का ही भारी रहेगा। हालांकि इस तथ्य का अहसास सिर्फ भाजपा को ही नहीं है बल्कि कांग्रेस आलाकमान भी इस सच्चाई को बखूबी समझता है और इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के साथ खड़े राजनीतिक दल भी इसे बखूबी समझते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसे खुल कर कह चुकी हैं और बाकी सहयोगी भी दबी जुबान में इशारों-इशारों में इसे स्वीकार करते रहते हैं।

संपादकीय

निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति

स्वाभाविक सवाल उठा है कि आखिर सरकार निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को अपनी मुट्ठी में क्यों लाना चाहती है? इस प्रयास से तमाम दूसरे मुद्दे भी जुड़े हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल चुनावों की विश्वसनीयता का ही है, जिसकी अवश्य रक्षा की जानी चाहिए। निर्वाचन आयोग में आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया संबंधी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के निर्णय को बदलने का केंद्र सरकार का प्रयास गलत समझ पर आधारित है। संभवतः सरकार इन प्रतिक्रियाओं से वाकिफ हो चुकी होगी कि विपक्ष और सिविल सोसायटी में इसे अगले चुनावों में धांधली करने की मंशा का संकेत कहा गया है। सत्ताधारी दल को इस बात को अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि जिस तरह न्याय सिर्फ होना पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि न्याय होते दिखना भी अनिवार्य माना जाता है, वही बात चुनावों की साख पर भी लागू होती है। चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से हों, यह तो जरूरी है कि लेकिन यह भी आवश्यक है कि सभी लोगों का ऐसा होने में भरोसा बना रहे। जिन देशों में ये भरोसा टूटा है, वहां इसके बहुत गंभीर परिणाम देखने को मिले हैं। 1990 के दशक के बांग्लादेश से लेकर केन्या, जिंब्बावे आदि जैसे देश इसकी मिसाल रहे हैं। यहां तक कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव की पवित्रता को लेकर तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने संदेह खड़ा किया, जिसका परिणाण छह जनवरी 2021 को वहां के संसद भवन पर एक बड़ी भीड़ के धावा बोल देने के रूप में सामने आया था। जबकि चुनाव की साख बनी रहती है, तो पराजित पक्ष अपनी हार को सहजता से स्वीकार कर लेता है और शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण की परंपरा कायम रहती है। ऐसी साख के लिए यह बेहद जरूरी है कि निर्वाचन आयोग और उसमें बैठे अधिकारी संदेह से परे रहें। इसी मकसद से सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी थी कि निर्वाचन आयुक्तों का चयन ऐसी समिति करे, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधान न्यायाधीश शामिल होंगे। अब सरकार ने जो बिल पेश किया है, उसमें प्रधान न्यायाधीश के लिए जगह नहीं है। उसकी जगह एक केंद्रीय मंत्री को दी जाएगी। इसलिए यह स्वाभाविक सवाल उठा है कि आखिर सरकार इस नियुक्ति प्रक्रिया को अपनी मुट्ठी में क्यों लाना चाहती है? इस प्रयास से तमाम दूसरे मुद्दे भी जुड़े हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल चुनाव की विश्वसनीयता का ही है, जिसकी अवश्य रक्षा की जानी चाहिए।

दीपक कुमार शर्मा

दूसरी अर्थव्यवस्थाओं का पिछलग्गू नहीं बना RBI

आज विश्व के समस्त देश आर्थिक विकास के एजेंडा पर कम ध्यान देते हुए मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के प्रयासों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। हालांकि मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए आपूर्ति के साधनों में सुधार करने पर पूरा ध्यान होना चाहिए परंतु बाजार में उत्पादों की मांग कम करने के उद्देश्य से समस्त देश केवल ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते पाए जा रहे हैं। ब्याज दरों में लगातार बढ़ोत्तरी से न केवल वित्त की उपलब्धता पर विपरीत प्रभाव दिखाई देने लगता है बल्कि वित्त की लागत भी बढ़ने लगती है, जिससे बाजार में उत्पादों की मांग कम होने लगती है, उत्पादन गतिविधियों में ठहराव आता है, बैंकों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगता है एवं रोजगार के अवसर कम होने लगते हैं। कुल मिलाकर, पूरा आर्थिक चक्र ही विपरीत रूप से प्रभावित होने लगता है। विपरीत परिस्थितियों के बीच भी कई विकसित देश (विशेष रूप से अमेरिका एवं यूरोपीय देश) अभी भी ब्याज दरों को बढ़ाते जा रहे हैं। परंतु, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस संदर्भ में कुछ अलग निर्णय लिया है। दिनांक 8 अगस्त 2023 से 10 अगस्त 2023 तक भारतीय रिजर्व बैंक की मोनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक सम्पन्न हुई है एवं इस बैठक में रेपो दर को यथावत 6.50 प्रतिशत पर बनाए रखने का निर्णय लिया गया है, अर्थात इसमें लगातार तीसरी बार कोई वृद्धि नहीं की गई है। हालांकि, भारत में भी एक बार पुनः खुदरा मुद्रा स्फीति की दर पर दबाव महसूस किया जा रहा है और यह खाद्य पदार्थों की कीमतों में हाल ही में आई तेजी के चलते हो रहा है। विशेष रूप से सब्जियों, अंडे, मांस, मछली, अनाज, दालों और मसालों की ऊंची कीमतों के कारण देश में खुदरा महंगाई की दर कुछ अधिक रही है। परंतु, 9 अगस्त 2023 तक संचयी दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा, दीर्घकालिक औसत के समान थी, हालांकि अस्थायी और स्थानिक वितरण असमान रहा है। इसके बावजूद, 4 अगस्त 2023 तक खरीफ फसलों की बुवाई का कुल क्षेत्रफल एक वर्ष पहले की तुलना में 0.4 प्रतिशत अधिक रहा है। अतः मानसून के मौसम के पश्चात जैसे ही इन खाद्य पदार्थों की उपलब्धता बाजार में बढ़ेगी, वैसे ही इन वस्तुओं की कीमतें कम होने लगेंगी। वैसे भी, खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर को इन पदार्थों की उपलब्धता को बढ़ा कर ही कम किया जा सकता है। ब्याज दरों को बढ़ाकर खाद्य पदार्थ आधारित महंगाई की दर को कम नहीं किया जा सकता है, क्योंकि खाद्य पदार्थ कितने भी महंगे हो जाएं, सामान्य नागरिक के लिए तो आवश्यक आवश्यकता की श्रेणी की वस्तुएं तो खरीदनी ही होंगी। अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दर में वृद्धि न करने का एक सही निर्णय लिया है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक का यह निर्णय, संवृद्धि को समर्थन प्रदान करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति को +/- 2 प्रतिशत के दायरे में रखते हुए 4 प्रतिशत का मध्यावधि लक्ष्य हासिल करने के अनुरूप माना जा रहा है। हालांकि, विश्व के अन्य देशों द्वारा अभी भी ब्याज दरों में लगातार की जा रही वृद्धि के चलते भारतीय रिजर्व बैंक पर भी ब्याज दर बढ़ाने का दबाव जरूर रहा होगा, परंतु भारत की आर्थिक परिस्थितियों एवं देश की आर्थिक विकास दर को बनाए रखने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा नहीं की गई है। भारत में ब्याज दरों को और अधिक नहीं बढ़ाए जाने के कारण ही देश में आर्थिक विकास की गतिविधियों में गतिशीलता बनी हुई है। अन्यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक फंड एवं अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा वैश्विक स्तर पर कई अन्य देशों के वर्ष 2023 के आर्थिक विकास के अनुमान को घटाया गया है। भारत में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) मई में 5.2 प्रतिशत से बढ़ा है, जबकि जून में मुख्य उद्योगों का उत्पादन 8.2 प्रतिशत से बढ़ा है। उच्च आवृत्ति संकेतकों के बीच, ई-वे बिल और टोल संग्रह में जून-जुलाई में जोरदार वृद्धि हुई है, जबकि रेल माल ढुलाई और बंदरगाह यातायात जून 2023 में कम रहने के बाद जुलाई 2023 में पुनः ठीक हो गया है। संमिश्रित क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में 13 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इसी प्रकार, भारत में घरेलू हवाई यात्री यातायात के कारण शहरी मांग मजबूत बनी हुई है और घरेलू ऋण निरंतर दोहरे अंक की वृद्धि प्रदर्शित कर रहा है। हालांकि, यात्री वाहनों की बिक्री की संवृद्धि में कुछ कमी आई है। ग्रामीण मांग की स्थिति के मामले में, जून में ट्रैक्टर की बिक्री में सुधार हुआ है जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री में कुछ कमी आई है। सीमेंट उत्पादन और इस्पात खपत में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। पूंजीगत वस्तुओं के आयात और उत्पादन में विस्तार की स्थिति जारी रही है। जून 2023 में पण्य निर्यात और तेल से इतर स्वर्ण से इतर आयात, संकुचन क्षेत्र में रहे हैं।वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत में खुदरा मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर 5.4 प्रतिशत रहेगी। इसके द्वितीय तिमाही में 6.2 प्रतिशत, तृतीय तिमाही में 5.7 प्रतिशत और चतुर्थ तिमाही में 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत अनुमानित है। इसी प्रकार भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि आगे आने वाले समय में खरीफ की बुआई और ग्रामीण आय में सुधार के चलते एवं सेवा क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों में उछाल और उपभोक्ता आशावाद से घरेलू खपत को समर्थन मिलना चाहिए। बैंकों और कॉरपोरेट्स का सुदृढ़ तुलन-पत्र, आपूर्ति श्रृंखला का सामान्यीकरण, व्यापार आशावाद और मजबूत सरकारी पूंजीगत व्यय, पूंजीगत व्यय चक्र के नवीनीकरण के लिए अनुकूल हैं जो वैविध्यपूर्ण होने के संकेत दे रहा है। हालांकि, कमजोर वैश्विक मांग, वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और भू-आर्थिक विखंडन के चलते वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियां भी बनी रहने की सम्भावना है। उक्त वर्णित समस्त कारकों को ध्यान में रखकर भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होगी। इसके पहली तिमाही में 8.0 प्रतिशत; दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत; तीसरी तिमाही में 6.0 प्रतिशत; और चौथी तिमाही में 5.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत अनुमानित है। इस प्रकार, ब्याज दरों में संतुलन बनाए रखते हुए भारत में आर्थिक विकास की दर को मजबूत बनाए रखने में सफलता मिलती दिखाई दे रही है। वहीं, विश्व के अन्य देशों में चूंकि ब्याज दरों को लगातार बढ़ाया जा रहा है जिसके कारण इन देशों में आर्थिक विकास की दर भी कम होती दिखाई दे रही है। हालांकि अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत में ब्याज दरों को कम करने की ओर भी विचार किया जाना चाहिए।

चिंताजनक है यह तनाव

दोनों पक्ष के नेता एक-दूसरे के लिए अपशब्दों तक इस्तेमाल कर रहे हैं, तो समझा जा सकता है कि देश का सियासी माहौल किस हद तक बिगड़ चुका है। विरोधी खेमों में होने के बावजूद एक-दूसरे के लिए सम्मान का भाव रखने की परंपरा तार-तार हो गई है। संसद का मानसून सत्र राजनीतिक तनाव को असाधारण रूप से बढ़ाते हुए खत्म हुआ है। इसकी चरण परिणति दोनों सदनों से सदस्यों का निलंबन है। सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह का निलंबन विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक बढ़ा दिया गया। उसी रोज इस पार्टी के एक अन्य सांसद राघव चड्ढा को भी इसी तरह अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया। उधर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी निलंबित कर दिए गए। तीनों निलंबनों के कारण अलग-अलग हैं, लेकिन जिन कारणों से यह कदम उठाया गया, वे भारत में लंबे समय से संसदीय परंपरा का हिस्सा रहे हैं। इस बीच पूरा सत्र मणिपुर के मुद्दे पर पक्ष- विपक्ष में टकराव में उलझा रहा। आखिर में अविश्वास प्रस्ताव पेश कर विपक्ष ने इस पर चर्चा कराई, लेकिन बहस के दौरान जैसे शब्दों का इस्तेमाल एक-दूसरे के लिए हुआ और प्रधानमंत्री ने जवाब देते समय अपना जो चिर-परिचित तेवर दिखाया, उससे माहौल और गरमा गया। अब दोनों पक्ष के नेता एक दूसरे के लिए अपशब्दों तक इस्तेमाल कर रहे हैं, तो समझा जा सकता है कि देश का सियासी माहौल किस हद तक बिगड़ चुका है। विरोधी खेमों में होने के बावजूद एक-दूसरे के लिए सम्मान का भाव रखने की परंपरा तार-तार हो गई है। आम तजुर्बा है कि ऐसे माहौल में लोकतंत्र का टिके रहना कठिन हो जाता है। इसी बीच सरकार ने जिस ताबड़तोड़ ढंग से- बिना बहस और प्रावधानों की पड़ताल की जांच करने का मौका दिए- तमाम महत्त्वपूर्ण विधेयक पारित कराए, उससे अविश्वास की खाई और बढ़ गई है। सत्र के आखिरी दिन भारतीय दंड संहिता, भारतीय आपराधिक संहिता और साक्ष्य अधिनियम को बदलने का बिल अकस्मात ढंग से पेश कर दिए जाने से आशंकाएं और गहराई हैं। नई संहिताओं का नाम हिंदी में रखने के कारण दक्षिणी राज्यों से आक्रोश भरी प्रतिक्रियाएं भी आई हैं। संभवतः यह नहीं होता, अगर पहले राष्ट्रीय बहस के जरिए आम सहमति बनाने की कोशिश की गई होती। जबकि फिलहाल तमाम सहमतियां खंडित होती नजर आ रही हैं। यह गहरी चिंता की बात है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक दीपक कुमार शर्मा द्वारा जॉय प्रिंटर्स प्लॉट नं 3जी -142, एनआईटी फरीदाबाद से मुद्रित एवं 903 सैक्टर-8, फरीदाबाद 121006 (हरियाणा) से प्रकाशित।
संपादक- दीपक कुमार शर्मा
RNI No. HARBIL/2016/74676
Mob. 8527791656, 9899222656,

आज हर भारतवासी के लिए खुशी का दिन पूरा देश तिरंगे के रंगों में रंगा है: राज्य मंत्री संदीप सिंह

77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी राज्यमंत्री संदीप सिंह ने जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में किया ध्वजारोहण

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा के राज्य मंत्री संदीप सिंह ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानीगण के परिजन, सम्मान के योग्य बुजुर्गों, माताओं, भाइयों बहनों, प्यारे बच्चों, जिला प्रशासन के अधिकारी गण, पत्रकार-छायाकार बंधुओं सहित उपस्थित जनता को सम्बोधित करते हुए आजादी की 77वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर मुश्किल हालातों के बीच मुस्तैदी से तैनात वीर जवानों को भी स्वतंत्रता दिवस की विशेष तौर पर बधाई देता हूं। आज हर भारतवासी के लिए खुशी का दिन है। आज हर गली, हर मोहल्ले में तिरंगा है। हर घर हर दफ्तर में तिरंगा है। हर वाहन, हर हाथ में तिरंगा है। पूरा देश तिरंगे के रंगों में रंगा है। पूरा देश देशभक्ति के रंग में रंगा है। प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी मंत्री संदीप सिंह स्थानीय सेक्टर-12 के हेलीपैड ग्राउंड में 77 वे जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि इस दिन के लिए मा भारती के न जाने कितने ही सपूतों ने अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। इसी दिन के लिए असंख्य देशभक्तों ने कष्ट झेले और यातनाएं सही। इस पावन अवसर पर आजादी की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी ज्ञात-अज्ञात शहीदों को नमन करता हूँ और उन वीर सैनिकों की भी सलाम करता हूं, जिन्होंने आजादी के बाद देश की एकता व अखंडता की खातिर अपने प्राण न्योछावर कर दिए हैं । उन्हीं के अनुपम बलिदान के कारण आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे आज यहां ध्वजारोहण करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। आप सभी जानते हैं। पिछले दो साल से हम सब आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे थे। इस महोत्सव के समापन अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मेरी माटी मेरा देश अभियान शुरू किया है। गत 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन% की वर्षगांठ पर शुरू किए गए। इस अभियान में देश के हर गांव व हर शहर की मिट्टी इकट्ठी की जा रही है। हम सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन की पहली चिंगारी 10 मई, 1857 को हरियाणा के अम्बाला से फूटी थी। उस चिंगारी ने आगे चलकर ऐसा जन-आन्दोलन खड़ा किया, जिसके बलबूते हम सन 1947 में अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने में कामयाब रहे। इस आंदोलन के बलिदानियों की देशभक्ति से हमारी युवा पीढ़ी प्रेरणा हासिल करें. इसके लिए हम अम्बाला छावनी में शहीदी स्मारक बना रहे हैं। आजादी के बाद भी 1962, 1965 व 1971 के विदेशी आक्रमण से लेकर कारगिल युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवानों की अनुग्रह राशि बढ़ाकर 50 लाख रुपए की गई है। आई.ई.डी. ब्लास्ट के दौरान शहीद होने पर भी अनुग्रह राशि बढ़ाकर 50 लाख रुपए की गई है। अब तक शहीदों के 367 आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नौकरी प्रदान की गई है। हरियाणा के राज्य मंत्री संदीप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मेरी माटी- मेरा देश अभियान में ऐसे ही वीरों के नाम पूरे देश के गांवों के गौरव पट्ट पर अंकित किए जा रहे हैं। सुशासन से सेवा के संकल्प के साथ जनसेवा का दायित्व संभालने वाली वर्तमान सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सबका साथ-सबका विकास और हरियाणा एक-हरियाणवी एक के मूलमंत्र पर चलते पूरे हरियाणा और हरेक हरियाणवी की तरक्की और उत्थान के लिए काम किया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पारदर्शी शासन दिया है। गीता के कर्म के संदेश की इस पावन भूमि के इतिहास में धार्मिक असहिष्णुता और हिंसा का कोई स्थान नहीं रहा है। इसी के अनुरूप हम प्रदेश में प्रेम, प्यार और भाईचारे की बयार बहाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। पिछले 9 साल में हरियाणा सदस्य व, सौहार्द समान विकास, समरसता के साथ-साथ उन बदलावों का बाहर आदमी का जीवन सरल, सुगम और सुरबाला हुआ है। हमने जनसेवा और जनता के बीच दीवार बन चुकी व्यवस्था को मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के कुशल नेतृत्व में न केवल बदलने का काम किया गया है, बल्कि ऐसी व्यवस्था देने का प्रयास किया गया है, जिसमें जन-जन को योजनाओं और सेवाओं का लाभ सरल तरीके से प्राप्त हो। देश की आजादी से लेकर लम्बे समय तक गरीब कल्याण की बातें ती की जाती रही, लेकिन उनका लाभ पात्र तक नहीं पहुंच पाया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के दर्शन के अनुरूप प्रदेश के सभी परिवारों का पहचान पत्र बनाया, जिससे पात्र परिवारों की पहचान कर योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित किया गया। आज जनता और सरकार का संपर्क सीधा है। हमने प्रशासन में मानव हस्तक्षेप को न्यूनतम करने के लिए आई.टी. का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया है।

शहीदों की बदौलत ही हमें आजादी मिली जिसकी खुली हवा में सांस ले रहे हैं : कृष्णपाल गुर्जर

मेरी माटी-मेरा देश अभियान — मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत, विश्व गुरु भारत और दुनिया की तीन बड़ी ताकतों में होगा शामिल

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

फरीदाबाद। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि शहीदों की बदौलत से हम आज आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। शहीद देश की आन बान और शान हैं। उनकी कुर्बानी हमेशा हमेशा के लिए स्मरणीय रहेगी। सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित देखना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही देश विकसित भारत, विश्व गुरु भारत और दुनिया की तीन बड़ी ताकतों में शामिल होगा। भारत सरकार के भारी उद्योग और ऊर्जा विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर आज शनिवार को गांव फैजुपर खादर में %मेरी माटी मेरा देश% कार्यक्रम बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर वहां उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने इस अवसर पर गांव फज्जूपुर खादर के शहीद राम कुमार भाटी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। शहीदों के नाम दीपक जला कर, सरस्वती वंदना के साथ, पौधारोपण कर अपनी माटी की रक्षा के लिए पंच प्रण की शपथ भी दिलवाई। इस अवसर पर शहीद रामकुमार भाटी के परिजनों को स्मृति चिन्ह, शाल ओढ़ा कर सम्मानित भी किया। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि नया भारत जो तेजी से विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, अमृत काल की शुरुआत पर है और हम सबको मिलकर भारत को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश बनाना है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि जब देश अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे कर चुका होगा तब तक यह महान देश भारत एक विकसित देश के रूप में विश्व पटल पर अपनी पहचान बनाए। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के पथ पर चलते हुए निरंतर कार्य कर रहे हैं। 2047 तक भारत को विकसित देखना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव की समापन अवसर पर में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आजादी अमृत महोत्सव की श्रंख़ला में देश के वीरों, स्वतंत्रता सेनानियों , सैन्य व पुलिस बल के शहीदों को समर्पित मेरी माटी-मेरा देश अभियान जिला फरीदाबाद में जनभागीदारी के साथ गरिमामयी ढंग से चलाया जा रहा है। मिट्टी को वंदन-वीरों को नमन थीम के साथ यह अभियान चलाया जा रहा है। आजादी अमृत महोत्सव की श्रृंखला में 9 अगस्त से 15 अगस्त तक चलाए जाने वाले मेरी माटी-मेरा देश अभियान को लेकर अधिकारी मुस्तैदी से कर रहे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में देशभर में 9 अगस्त से 15 अगस्त तक शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत स्तर, वार्ड स्तर, प्रत्येक खंड में मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम चल रहा है। इन कार्यक्रमों में वीरों का वंदन के तहत देश के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों और नायकों के नाम की हर गांव व शहर में शिलापट गौरव पट्ट स्थापित किए जा रहे हैं और उनके परिजनों को सम्मानित किया जा रहा है । वसुधा वंदन के तहत हर गाँव व शहर में दीघार्यु वाले 75 पौधे रोपित किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय गान, ध्वजारोहण, अमृत सरोवर के समीप देशभक्ति से ओतप्रोत गतिविधियां आयोजित की जा रही है। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से मातृभूमि को नमन करने के लिए यह विशेष आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जनभागीदारी को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। हर व्यक्ति को इस कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहिए, मिट्टी को वंदन-वीरों को नमन थीम के साथ यह अभियान आयोजित किया जा रहा है।

वाराणसी के 'सर्व सेवा संघ' भवन पर बुलडोजर, गांधी विचार के खिलाफ खुला प्रहार

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

वाराणसी। संत विनोबा भावे की प्रेरणा से स्थापित केंद्र सर्व सेवा संघ परिसर राजघाट वाराणसी को स्थानीय प्रशासन और रेलवे की मिलीभगत से ध्वस्त किया गया। इस घटना को इतिहास की शर्मनाक घटना के तौर पर याद किया जाएगा। यह घटनाक्रम में गांधी, विनोबा भावे, जे पी की विरासत को नष्ट करने का प्रयास है । निश्चित तौर पर यह सत्ता का बुलडोजर है। दुःख इस बात का है कि हमारे सत्ताधीश गांधी के रास्ते पर चलने का ढोंग करते हैं। ज्ञात रहे वर्ष 1956 से ही वाराणसी में सर्व सेवा संघ कार्यरत है। 1960 के बाद 1961 ,1970 में जब सर्व सेवा संघ द्वारा रेलवे से जमीन को खरीदा गया तब यहां साधना केन्द्र का निर्माण हुआ और 1964 में साधना केन्द्र का उदघाटन पूर्व प्रधानमन्त्री लालबहादुर शास्त्री ने किया। साधना केन्द्र का यह परिसर सर्वोदई और गांधीवादी आचार्य विनोबा भावे , जे पी, अच्युन पटवर्धन, धीरेंद्र मजूमदार, बालकोवा भावे, नवकृष्ण चौधरी, दादा धर्माधिकारी, मनमोहन चौधरी, निर्मला देशपांडे आदि महान लोगों का कर्मस्थल रहा है। सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदनपाल ने बताया कि बुलडोजर से भवन ध्वस्त करने वालों के पास कोई भी कानूनी नोटिस नहीं था।पूर्व में भी भवन खाली करने को तैयार कई धमकियां उन्हें मिली थी , जिसके खिलाफ विरोध के लिए संघ के अध्यक्ष चंदनपाल, यू पी सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष राम धीरज , प्रकाशक समिति के संयोजक अरविंद , नंदलाल मास्टर समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। संघ के आंदोलन को समर्थन के लिए देश की जानीमानी समजसेवी मेधा पाटकर , किसान नेता राकेश टिकैत, योगेंद्र यादव व अन्य आगे आए। इस सब पर सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदनपाल का कहना है कि यह घटना लोकतंत्र और विधान के राज पर सीधा हमला है जो अति निंदनीय कृत्य है । उन्होने बताया कि प्रशासन द्वारा यह हमला पूर्व नियोजित है ।

राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के बैनर तले दिल्ली में कर्मचारी हुए एकजुट

पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

नई दिल्ली। पुरानी पेंशन की बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों ने दिल्ली में रैली निकालकर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के बैनर तले यह प्रदर्शन किया गया। रैली में उत्तराखंड से भी बडी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। मोर्चे से जुड़े सभी कर्मचारी दिल्ली पहुंचे । राष्ट्रीय अध्यक्ष वी पी एस रावत ने कहा कि महारैली में पूरे देश के कर्मचारी शामिल हुए थे और कर्मचारियों की ताकत का अंदाजा सरकार को होना चाहिए। कर्मचारी सरकार से सिर्फ अपना जायज अधिकार मांग रहे हैं। जब 2005 से पहले के कर्मचारियों को ये लाभ मिल रहा है तो उसके बाद किस आधार पर इस अधिकार से वंचित रखा जा रहा है। प्रदेश महासचिव सीता राम पोखरियाल ने सांसदों, विधायकों के बेहद कम कार्यकाल के लिए भी पुरानी पेंशन योजना मिलने पर एतराज जताया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार मांग नहीं मानती है तो लोकसभा चुनावों में सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। रैली में उत्तराखंड से प्रदेश अध्यक्ष जगजीत सिंह रावत, प्रदेश प्रभारी बिक्रम सिंह रावत, लक्ष्मण सिंह रावत, भवान सिंह नेगी, जयपाल सिंह गुसाईं, राजीव उनियाल, राकेश रावत, सुनीता गुसाई, प्रवीण घिल्डियाल, शंकर भट्ट, रणवीर सिंह, अंकित रोठान, अर्जुन राणा आदि मौजूद रहे।

आप का खेड़ी कालोनी में बिजली आंदोलन, धर्मवीर भडाना ने दिखाया खट्टर सरकार को आईना

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा में आम आदमी पार्टी ने बिजली आंदोलन शुरू किया है जिसके तहत पार्टी के नेता कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर बता रहे हैं कि पंजाब और दिल्ली में हमारी सरकार लोगों को फ्री बिजली दे रही है । इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी के सदस्य धर्मवीर भड़ाना ने फरीदाबाद के खेड़ी कॉलोनी में बिजली आंदोलन के तहत हरियाणा सरकार द्वारा जारी बिजली के बिलों को जलाते हुए कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार प्रदेश के करोड़ों लोगों को बिजली के बिल के नाम पर दोनों हाथों से लूट रही है जबकि दिन-रात बिजली के कई कई कट लग रहे हैं । धर्मवीर भडाना ने कहा कि आप पार्टी ही फ्री बिजली दे सकती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली और पंजाब के लोगों को फ्री बिजली देकर लोगों को राहत देने का काम किया है। हरियाणा की सरकार भारी भरकम बिजली के बिल लोगों से वसूल रही है बावजूद इसके हरियाणा पर कर्जा बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में 2024 में बदलाव होगा और लोगों को फ्री बिजली, पानी और फ्री इलाज मिलने लगेगा। लोगों की आमदनी घट रही और सरकार के टैक्स और बिलों की मार जनता पर लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जनता को महंगी बिजली देकर खट्टर सरकार अडानी का खजाना भर रही है क्योंकि कि खट्टर सरकार ने अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए अप्रैल में 11.55 रुपए प्रति यूनिट, मई में 8.13 रुपए प्रति यूनिट और जून में 7.30 रुपए प्रति यूनिट की दर से महंगी बिजली खरीदी । ये वसूली जनता से की जा रही है । इस मौके पर आम आदमी पार्टी के जिला सचिव मेहरचंद हरसाना, प्रदेश प्रवक्ता नरेश शर्मा, लोकसभा के जॉइंट सेक्रेटरी तेजवंत सिंह बिट्टू ने खट्टर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि हरियाणा की जनता महंगी बिजली और कहेगी शिक्षा के कारण बहुत दुखी है । खट्टर सरकार को गरीबों से कोई लेना देना नहीं है इसलिए प्रदेश के गरीबों से शिक्षा और बिजली के नाम पर बड़ी वसूली जारी है । इस मौके पर खेड़ी कॉलोनी की तमाम महिलाएं भी मौजूद थी जिन्होंने खट्टर सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाते हुए कहा कि इस सरकार ने हमारा जीना हराम कर दिया है । इस मौके पर कॉलोनी की सुनीता, आराधना, सविता, रमाबाई, दिनेश, रघुवीर, संतराम गिरिजा कुमार आदि मौजूद थे।

डॉ. एस.एन पांडे अब ग्लोबल ओपन यूनिवर्सिटी नागालैंड के कुलाधिपति

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

नई दिल्ली। देश के जाने माने प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. एस. एन पांडे ने हाल ही में ग्लोबल ओपन यूनिवर्सिटी नागालैंड के कुलाधिपति (चांसलर) के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की है। ज्ञात रहे डॉ एस एन पांडे जहां पूर्व में इसी गलोबल ओपन यूनिवर्सिटी नागालैंड के प्रो चांसलर रहे हैं वहीं वे इंदिरा गांधी टेक्नोलॉजिकल एंड मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के भी पूर्व वाइस चांसलर रह चुके हैं। डॉ एस एन पांडे का आयुष्मान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा वे समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था शरद फाउंडेशन के संस्थापक भी हैं । वरिष्ठ पत्रकार एवं अतुल्य लोकतंत्र के संपादक दीपक कुमार शर्मा ने इस अवसर पर उन्हें चांसलर के तौर पर उनकी नियुक्ति के लिए शुभकामनाएं दी हैं ।

फरीदाबाद एस्टेट एजेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन में खुलेआम हो रहा, सोसायटी एक्ट HRRS 2012 का उलंघन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

FEAWA

फरीदाबाद। काफ़ी अरसे से फरीदाबाद एस्टेट एजेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन संस्था जो जमीन के काम से जुड़े लोगों की रजिस्टर्ड संस्था है। याचिकाकर्ता रामेश्वर बंसल का कहना है कि काफी अरसे से संस्था में चुनावों, और संस्था प्रबंधन से संबंधित अनियमितताएं बरती जा रही है । उन्होंने बताया कि संस्था की प्रॉपर एडहॉक कमिटी बनाई जानी चाहिए ताकि संस्था की नई कार्यकारिणी गठित की जा सके। बावजूद इसके संस्था में पदाधिकारीगण असंवैधानिक रूप से पदों पर बने हुए हैं जो कि खुलेआम Haryana Registration and Regulations of societies Act 2012 का खुला उलंघन है। याचिकाकर्ता रामेश्वर बंसल का कहना है कि संस्था में जबरन बने हुए इन पदाधिकारियों द्वारा कभी भी संस्था का वित्तीय ब्योरा नहीं दिया गया और न ही कभी चुनाव संबंधित कोई जानकारी दी गई। अब निर्देशानुसार HRRS act 2012 के अनुरूप एक एडहॉक कमिटी बनाई गई है जिसमें इन्होने अपने हिसाब से सदस्यों को चुना गया है और रूल अनुसार इन्हें 2 महीने के अंदर चुनाव कराने होंगे। याचिकाकर्ता रामेश्वर बंसल का ये भी कहना है कि संस्था के इन स्वयंभू पदाधिकारियों द्वारा कभी भी रजिस्ट्रार कार्यालय में जरुरी कागज जमा नहीं कराए और सदस्यता फीस भी अपने तरीके से बढ़ाते रहे हैं जो सरासर ग़लत है।

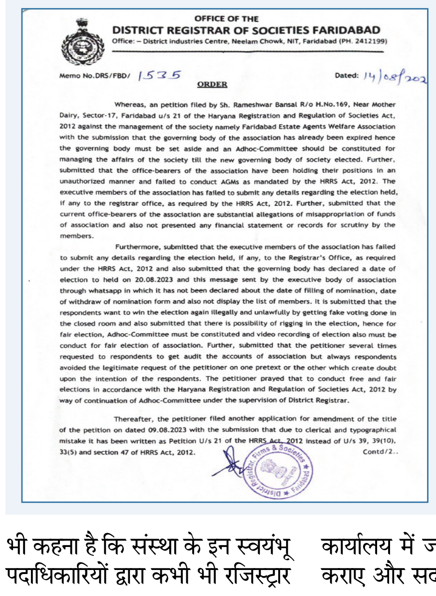

OFFICE OF THE
DISTRICT REGISTRAR OF SOCIETIES FARIDABAD
Office: – District industries Centre, Neelam Chowk, NIT, Faridabad (PH. 2412199)

Memo No.DRS/FBD/ 1535 — Dated: 14/08/2023

ORDER

Whereas, an petition filed by Sh. Rameshwar Bansal R/o H.No.169, Near Mother Dairy, Sector-17, Faridabad u/s 21 of the Haryana Registration and Regulation of Societies Act, 2012 against the management of the society namely Faridabad Estate Agents Welfare Association with the submission that the governing body of the association has already been expired hence the governing body must be set aside and an Adhoc-Committee should be constituted for managing the affairs of the society till the new governing body of society elected. Further, submitted that the office-bearers of the association have been holding their positions in an unauthorized manner and failed to conduct AGMs as mandated by the HRRS Act, 2012. The executive members of the association has failed to submit any details regarding the election held, if any to the registrar office, as required by the HRRS Act, 2012. Further, submitted that the current office-bearers of the association are substantial allegations of misappropriation of funds of association and also not presented any financial statement or records for scrutiny by the members.

Furthermore, submitted that the executive members of the association has failed to submit any details regarding the election held, if any, to the Registrar's Office, as required under the HRRS Act, 2012 and also submitted that the governing body has declared a date of election to held on 20.08.2023 and this message sent by the executive body of association through whatsapp in which it has not been declared about the date of filling of nomination, date of withdraw of nomination form and also not display the list of members. It is submitted that the respondents want to win the election again illegally and unlawfully by getting fake voting done in the closed room and also submitted that there is possibility of rigging in the election, hence for fair election, Adhoc-Committee must be constituted and video recording of election also must be conduct for fair election of association. Further, submitted that the petitioner several times requested to respondents to get audit the accounts of association but always respondents avoided the legitimate request of the petitioner on one pretext or the other which create doubt upon the intention of the respondents. The petitioner prayed that to conduct free and fair elections in accordance with the Haryana Registration and Regulation of Societies Act, 2012 by way of continuation of Adhoc-Committee under the supervision of District Registrar.

Thereafter, the petitioner filed another application for amendment of the title of the petition on dated 09.08.2023 with the submission that due to clerical and typographical mistake it has been written as Petition U/s 21 of the HRRS Act, 2012 instead of U/s 39, 39(10), 33(5) and section 47 of HRRS Act, 2012.

Contd/2..

Thereafter, on the petition the notices were issued to the concerned. On receiving reply from all the concerned parties the personal hearings on dated 11.08.2023 wherein the concern parties were present and they were heard.

During the course of hearings, it is reveled that the previous election of the governing body was held before two years and the tenure of the governing body was expired as per office record and it seems that the requirement of Section 33(5) was not done by the association Governing Body and therefore the provision of the 39(10) is hereby invoked immediately and power conferred upon me, I hereby appoint the Adhoc-Committee comprising following members in the society namely Faridabad Estate Agents Welfare Association to manage the affairs of the society and to conduct the fresh and fair election of Governing Body of society within 2 months from the issue of this order and the current election process is hereby kept in abeyance:

Sr. No.	Name & Address	Designation
1.	Sh. Ramesh Chaudhary, H.No.2329, Sector-28, Faridabad	Convener
2.	Sh. Surender Kumar, H.No.2H/28, First Floor, NIT, Faridabad	Member
3.	Sh. Rajiv Oberoi, H.No.348, Sector-28, Faridabad.	Member

The Adhoc-Committee is also directed to release the fresh schedule as per their convenience but to adher the relevant provisions w.r.t. the election prescribed under the Haryana Registration and Regulation of Societies Act, 2012. No major expenditure shall be incurred without the prior approval of this office. The ex-management of society is directed to handover the complete charge of the association to the Adhoc-Committee immediately. These orders shall take with immediate effect.

District Registrar of Societies
Faridabad.

Dated: 14.08.2023.
Memo No.DRS/FBD/ 1536 to 1538 — Dated: 14/08/2023

A copy is forwarded to the following for information and necessary compliance:

1. The Adhoc-Committee, Faridabad Estate Agents Welfare Association, Faridabad
2. The Ex-President/ EX-Gen. Secretary, Faridabad Estate Agents Welfare Association.
3. Sh. Rameshwar Bansal R/o H.No.169, Near Mother Dairy, Sector-17, Faridabad.

District Registrar of Societies,
Faridabad

हमें आपसी सहयोग और सौहार्द बनाए रखना चाहिए : डॉ हेमलता शर्मा

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

फरीदाबाद। 77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शरद फाउंडेशन के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर संस्था में पढ़ रहे बच्चों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कई बच्चों ने भी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की। इस अवसर पर बच्चों को स्कूल बैग भी वितरण किए गए ,जिसके लिए संस्था की चेयरपर्सन डॉ हेमलता शर्मा ने स्पॉन्सर्स (स्व .प्रो रविन्द्र चावला , सुमन कुशवाहा, शालिनी) का आभार जताया। उन्होंने इस अवसर पर सभी आए हुए लोगों का अभिवादन करते हुए कहा कि आज़ादी के महत्व को समझते हुए हमें आपसी सहयोग और सौहार्द बनाए रखना चाहिए। इस अवसर पर संस्था के कुछ सदस्यों एवं बच्चों के जन्मदिन को भी सेलिब्रेट किया गया।

गूगल ने श्रीदेवी की 60वीं जन्मतिथि पर बनवाया खूबसूरत डूडल

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की सुपरस्टार श्रीदेवी की जन्मतिथि पर गूगल ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए एक खास डूडल बनवाया है। बता दें कि अभिनय में महारथ हासिल करने वाली श्रीदेवी का आज 60वां जन्मदिन है। एक ओर जहां एक्ट्रेस के बच्चे पर उनके चाहने वाले उन्हें याद कर रहे हैं। वहीं गूगल ने भी श्रीदेवी की बर्थ एनिवर्सरी पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। श्रीदेवी ने अपने अभिनय का परचम सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में लहराया। आज भले ही वह इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन फैंस के दिलों में वह हमेशा जिंदा रहेंगी। बॉलीवुड की चांदनी की बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर गूगल ने डूडल के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गूगल ने अपने होमपेज पर मुंबई बेस्ड गेस्ट आर्टिस्ट भूमिका मुखर्जी के द्वारा श्रीदेवी का एक खूबसूरत चित्रण बनाकर उन्हें याद किया है। श्रीदेवी ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बेस्ट एक्ट्रेस के रूप में कई अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुकीं श्रीदेवी को साल 2013 में पद्मश्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु में जन्मीं श्रीदेवी का असली नाम अम्मा यंगर अय्यपन था, लेकिन उन्हें श्रीदेवी नाम से ही पहचाना जाता है। चार साल की उम्र में इंडस्ट्री में कदम रखने वाली श्रीदेवी ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी है। उन्होंने चांदनी, लम्हे, मिस्टर इंडिया, चालबाज, नगीना, सदमा और इंग्लिश विंग्लिश जैसी फिल्मों में काम कर सदाबहार अभिनेत्रियों की लिस्ट में खुद को शुमार किया। श्रीदेवी को आखिरी बार मॉम में बतौर लीड एक्ट्रेस देखा गया था। इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने नेशनल अवॉर्ड भी अपने नाम किया था। वह शाह रुख खान की फिल्म जीरो में भी नजर आ चुकी हैं। साल 1996 में फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर से शादी की थी। श्रीदेवी, बोनी की दूसरी पत्नी थीं। श्रीदेवी और बोनी की दो बेटियां हैं– जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर। जाह्नवी ने इंडस्ट्री में अपने पैर जमा लिये हैं, जबकि खुशी द आर्चीज मूवी से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। श्रीदेवी ने 24 फरवरी 2018 को दुबई में अंतिम सांस ली थी।

जमकर मनेगा इस बार कश्मीर में आजादी का जश्न, इंटरनेट भी रहेगा फ्री

कश्मीर। कश्मीर में इस बार स्वतंत्रता दिवस पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। यहां की जनता इस बार खुलकर आजादी का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है। एक अधिकारी ने कहा कि इस बार इंटरनेट पर भी कोई प्रतिबंध लागू नहीं होगा। जिससे लोग देश को आजादी मिलने के दिन की खुशी दिल खोलकर सोशल मीडिया के जरिये अपने लोगों के साथ शेयर कर सकते हैं। इस मामले में कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर कश्मीर में कोई प्रतिबंध या इंटरनेट प्रतिबंध नहीं लागू होगा। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को पूरी कश्मीर घाटी में कोई प्रतिबंध नहीं होगा और इंटरनेट सेवा भी चालू रहेगी। लोग 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान में बहुत रुचि दिखा रहे हैं, यह एक अच्छा संकेत है। इससे पहले 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान के तहत मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले की 26 पंचायतों में कई तरह की गतिविधियों को आयोजित किया गया। गांदरबल में जिला युवा सेवा और खेल कार्यालय ने जोन कंगन में एक जीवंत 'प्रभात फेरी' के साथ–साथ 'मेरी माटी, मेरा देश' की व्यापक थीम के तहत आज आकर्षक कार्यक्रमों की एक सीरीज आयोजित की। इधर जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और जम्मू के डिविजनल कमिश्नर ने इस हफ्ते की शुरुआत में स्वतंत्रता दिवस समारोह और 17 अगस्त से शुरू होने वाली बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कमिश्नर जम्मू रमेश कुमार और डीआइजी राजौरी पुंछ रेंज हसीब मुगल के साथ पुलिस और नागरिक प्रशासन के साथ एक सुरक्षा समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर तैयारियों पर चर्चा हुई।

अधिकारी पर लगाया गर्ल्स होस्टल में घुसकर यौन उत्पीड़न का आरोप

हैदराबाद। एक अधिकारी पर आधी रात गर्ल्स होस्टल में घुसकर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार तेलंगाना के हकीमपेट स्पोर्ट्स स्कूल के गर्ल्स हॉस्टल में कथित यौन उत्पीड़न की घटना सामने आई है जिसके बाद पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा हुआ है। आरोप है कि एक अधिकारी आधी रात को लड़कियों के कमरे में घुस जाता है और लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने के साथ–साथ वह उनके साथ गलत व्यवहार करता है। खबर के मुताबिक, पशु चिकित्सक हरिकृष्णा को प्रतिनियुक्ति पर स्पोर्ट्स स्कूल का ओएसडी नियुक्त किया गया है। उक्त ओएसडी कथित तौर पर हॉस्टल में लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न कर रहा है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने ट्वीट करते हुए कहा वह इस घटना से बहुत आहत हैं। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर के नेतृत्व वाली हमारी सरकार में तेलंगाना समाज में ऐसी चीजों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इस मामले में उन्होंने खेल मंत्री श्रीनिवास गौड़ से लड़कियों के यौन उत्पीड़न के आरोपी अधिकारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने, पूर्ण पैमाने पर जांच करने और पीड़ितों को न्याय देने के बात कही है। हालांकि सरकार ने आरोपों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी को निलंबित कर दिया और जांच के आदेश दिये। एसीपी पेटबशीराबाग के मुताबिक, घटना के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि हम इसका सत्यापन कर रहे हैं और उसके अनुसार कार्रवाई शुरू की जाएगी।

तेजस्वी ने पीएम पर लगाया लोकतंत्र को नष्ट कर महाराजा बनने का आरोप

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर आरोप लगाया है कि वह लोकतंत्र को नष्ट करने में जुटे हुए हैं, साथ ही वह महाराजा बन रहे हैं। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में स्वास्थ्य विभाग संभाल रहे तेजस्वी ने प्रधानमंत्री पर अपने संबोधन में तब 'सफेद झूठ बोलने का आरोप लगाया, जब उन्होंने बिहार के दरभंगा जिले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की बात की। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दरभंगा में एम्स का उल्लेख करना सरासर झूठ है, जिसका निर्माण अभी तक नहीं हुआ है। वह मुझे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की याद दिलाते हैं, जिन्होंने सरकार की उपलब्धियों में से एक के रूप में कुछ समय पहले पूर्णिया हवाई अड्डे का जिक्र किया था, जिसका संचालन बहुत दूर है। तेजस्वी ने कहा कि तथ्य यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एम्स, दरभंगा के लिए पहल की थी और राष्ट्रीय राजमार्ग से कुछ किलोमीटर की दूरी पर भूखंड भी आवंटित किया गया। लेकिन बाद में केंद्र ने भूखंड के स्थान को सुविधाजनक नहीं होने का दावा करके इसमें कई तरह के रोड़े अटकाए थे। राजद के नेता तेजस्वी ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के साथ टेलीफोन पर बातचीत में केंद्र के रुख में बदलाव पर निराशा व्यक्त की थी। इस संबंध में उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पत्र की एक प्रति भी साझा की। ?जिसमें मोदी ने पश्चिम बंगाल में पंचायती राज परिषद को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए एम्स, दरभंगा की बात की। उन्होंने प्रस्तावित अस्पताल का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि देश के सभी हिस्सों में प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों को चिकित्सा उपचार के लिए लंबी दूरी की यात्रा न करनी पड़े।

ब्रिटिश 25 पाउंडर की छुट्टी, लाल किले पर गूंजेगी स्वदेशी 105 एमएम इंडियन फील्ड गन

नई दिल्ली। इस बार स्वतंत्रता दिवस पर ब्रिटिश 25 पाउंडर गन से सलामी लेने के बजाय स्वदेशी 105 एमएम इंडियन फील्ड गन की गूंज सुनाई देगी। 15 अगस्त को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे तो पहली बार स्वदेशी तोप से 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। इस बार स्वदेशी 105 एमएम इंडियन फील्ड गन राष्ट्रगान के 52 सेकेंड तक 21 राउंड फायर करेगी। पिछले साल आखिरी बार ब्रिटिश 25 पाउंडर गन ने लाल किले पर इंडारोहण के दौरान सलामी दी थी।

उग्रवादी संगठन मणिपुर में नहीं मनाएंगे स्वतंत्रता उत्सव, बंद का किया आह्वान

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में उग्रवादी संगठनों ने स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाने का निर्णय लिया है। यहां पर 17 घंटे के सामान्य बंद का भी आह्वान किया है। बता दें कि मणिपुर में जातीय हिंसा के बीच, सात उग्रवादी संगठनों के एक शीर्ष निकाय ने स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों के बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा 15 अगस्त को 17 घंटे के सामान्य बंद का भी आह्वान किया। एक बयान में, प्रतिबंधित गैरकानूनी समूहों के शीर्ष निकाय कोरकॉम ने कहा कि 15 अक्टूबर 1949 को मणिपुर के भारत में विलय के साथ मणिपुर की राजनीतिक स्थिति में अचानक गिरावट आई, जिसके द्वारा संप्रभु मणिपुर को केवल एक मुख्य आयुक्त के प्रांत में बदल दिया गया। 1950 में भाग सी राज्य से, मणिपुर को 1956 में एक केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया गया था। भारतीय औपनिवेशिक शासन ने न केवल पूरे मणिपुर में कुख्यात एएफएसपीए और कई अन्य कठोर कानूनों को लागू किया, बल्कि एक विभाजनकारी नीति भी जारी रखी। जिसके परिणामस्वरूप अब अनियंत्रित जातीय संघर्ष हो गया है।

संगठन ने कहा कि अवैध मणिपुर विलय समझौते, 1949 ने मणिपुर के संप्रभु इतिहास को मिटा दिया, जिसके कारण मणिपुर के जातीय समूहों के बीच 15 अगस्त का जश्न मनाया गया। अब, समय आ गया है कि मणिपुर में प्राचीन काल से निवास करने वाले सभी

जातीय समूह इस औपनिवेशिक शासन का विरोध करने के लिए मणिपुर लोगों के रूप में खड़े हों और हमारे उत्पीड़ित लोगों के आत्म-निहित अधिकार का प्रयोग करने की दिशा में वैज्ञानिक राजनीतिक विकास का मार्ग प्रशस्त करें। मणिपुर के सभी संघर्षरत और उत्पीड़ित स्वदेशी लोगों को अब भारतीय औपनिवेशिक नीति का एहसास होना चाहिए। कॉर्कॉम के तहत उग्रवादी संगठन में कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी, कांगलेई यावोल कन्ना लुप, पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक, प्रीपाक-प्रो, रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट शामिल हैं।

प्रियंका को संसद में देखना चाहते हैं रॉबर्ट वाद्रा, बताया हर तरह से काबिल

नई दिल्ली। रॉबर्ट वाद्रा अपनी पत्नी प्रियंका को संसद में देखना चाहते हैं। इस पर आज उन्होंने अपनी प्रतिक्रया दी है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा ने कहा कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी वाद्रा के पास संसद पहुंचने के लिए सभी योग्यताएं हैं और उन्हें वहां होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस पार्टी प्रियंका को लोकसभा में भेजने की योजना पर काम करेगी। रॉबर्ट वाद्रा ने कहा कि मुझे लगता है कि प्रियंका गांधी को संसद में होना चाहिए। उन्हें निश्चित रूप से लोकसभा में होना चाहिए। उनके पास इसके लिए सभी योग्यताएं हैं। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी यह स्वीकार करती है और उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी। वाद्रा ने उद्योगपति गौतम अडाणी के साथ अपना नाम जोड़ने के लिए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर निशाना साधा। गौरतलब है कि संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान स्मृति ने अडाणी के साथ रॉबर्ट वाद्रा की तस्वीर दिखाई थी। इस पर वाद्रा ने कहा कि वह राजनीति से दूर रहते हैं और इस पर तभी प्रतिक्रिया देते हैं, जब सत्तारूढ़ दल उनका नाम बीच में लाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास अडाणी के विमान में बैठे हमारे अपने प्रधानमंत्री की तस्वीर है। हमें उस बारे में सवाल क्यों नहीं पूछना चाहिए और राहुल गांधी सवाल कर रहे हैं और इन सवालों का जवाब क्यों नहीं दिया जाता है। वाद्रा ने कहा कि महिला पहलवान अपने अधिकारों के लिए दिल्ली में विरोध–प्रदर्शन कर रही थीं, लेकिन केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में स्मृति ईरानी कभी उनसे मिलने या उनकी शिकायतें सुनने नहीं गईं। वहीं मणिपुर जल रहा है और स्मृति ईरानी को मेरे बारे में बस किसी तरह की नकारात्मक बात उठानी है।

बीएसएफ को मिली बड़ी ताकत, अब समुद्री सुरक्षा भी होगी और मजबूत

–गृह मंत्री अमित शाह ने 257 करोड़ लागत वाले 'मूरिंग प्लेस' की रखी नींव

कच्छ (एजेंसी)। बीएसएफ को बड़ी ताकत मिलने जा रही है, इससे अब समुद्री सुरक्षा भी और मजबूत होगी। राजस्थान का जैसलमेर, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात का कच्छ इलाका, हमारे देश की सीमा पर चाहे जैसी भी परिस्थितियां हों, गृह मंत्री अमित शाह की हमेशा यही रणनीति रही है कि सरहदों पर सुरक्षा हमेश मजबूत रहे। इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के कच्छ में समुद्री सुरक्षा मजबूत करने का अचूक प्लान बनाया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कच्छ जिले में संवेदनशील सर क्रीक और हरामी नाला का दौरा किया और यहां 257 करोड़ रुपये की लागत वाले 'मूरिंग प्लेस' (लंगरगाह) की नींव रखी। यह मूरिंग प्लेस 400 से अधिक जलीय वाहन और पाकिस्तान के साथ तटीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल द्वारा संचालित चौकियों की फ्लोटिंग बीओपी (बॉर्डर ऑउट पोस्ट्स) की सर्विस और रखरखाव में मदद करेगा। कोटेश्वर में 60 एकड़ में फैले मूरिंग प्लेस के भूमि पूजन के बाद अमित शाह ने कहा कि एक बार यह तैयार हो जाने के बाद, बीएसएफ की समुद्री टुकड़ी द्वारा उपयोग की जाने वाली नौकाओं को सीमा क्षेत्र में आसानी से बनाए रखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आपके पास 400 से अधिक पानी के जहाज हैं और यह सुविधा उन्हें अच्छी स्थिति में रखने में मदद करेगी। इस लंगरगाह में प्रशासनिक भवन, ऑफिसर्स मेस, कैंटीन, परेड ग्राउंड, प्रशिक्षण केंद्र और सर क्रीक में बीएसएफ द्वारा संचालित वॉटरक्राफ्ट और फ्लोटिंग बीओपी के लिए एक वर्कशॉप शामिल होगी। प्रत्येक फ्लोटिंग बीओपी लगभग 30 कर्मियों और कई निगरानी उपकरण ले जा सकती है। मंत्री ने यहां सर क्रीक एरिया का दौरा किया। यहां हुई पेट्रोलिंग के दौरान जवानों से भी बात हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 'अक्सर मछुआरे पाकिस्तान की तरफ से भारत में दाखिल होते हैं, उनपर हमेशा हमारी नजर रहती है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ को उन क्षेत्रों में सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है, जहां तापमान शून्य से 43 डिग्री नीचे से 43 डिग्री सेल्सियस तक रहता है और वे सुंदरबन और हरामी नाला से सटे क्षेत्रों को सुरक्षित रखने के लिए सतर्क रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के बाद, बीएसएफ को पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी देश की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। तटीय सुरक्षा देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। गुजरात के तट पर कई महत्वपूर्ण संस्थान, परमाणु स्टेशन, मिसाइल प्रक्षेपण क्षेत्र, अनुसंधान केंद्र, उद्योग और बंदरगाह स्थित हैं। उनकी 365 दिन चौबीसों घंटे सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है।

फिल्म का ऑफर देकर अमित जानी फंसे, सपा नेता के बाद मनसे ने भी दी चेतावनी

–सीमा हैदर और सचिन की लवस्टोरी पर फिल्म कराची टू नोएडा बनाने की है योजना

नोएडा (एजेंसी)। फिल्मकार सचिन जानी सीमा हैदर और सचिन की लवस्टोरी पर फिल्म बनाने का ऑफर देकर बुरी तरह से फंस गए हैं। पहले सपा नेता ने उन्हें धमकी दी थी, अब मनसे ने भी उन्हें कड़ी चेतावनी देते हुए फिल्म न बनाने की सलाह दी है। बता दें कि पाकिस्तान से आई सीमा हैदर पर फिल्म बनाने को लेकर एक बार फिर बवाल मच गया है। गौरतलब है कि मेरठ के रहने वाले अमित जानी ने सीमा हैदर और सचिन की लवस्टोरी पर कराची टू नोएडा टाइटल से फिल्म बनाने की घोषणा की है। इसी के साथ उन्होंने सीमा को एक फिल्म के लिए ऑफर भी दिया है। लेकिन तभी से अमित जानी को लगातार धमकियां और चेतावनियां मिल रही हैं। पहले सपा के पूर्व प्रवक्ता अभिषेक सोम ने अमित को धमकी दी थी। अब राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने भी अमित जानी को चेतावनी दी है। मनसे नेता अमय खोपकर ने ट्वीट कर कहा कि हम अपने इस रुख पर कायम हैं कि किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को भारतीय फिल्म उद्योग में कोई जगह नहीं मिलनी चाहिए। सीमा हैदर एक पाकिस्तानी महिला है जो इस समय भारत में है। ऐसी भी खबरें थीं कि वह आईएसआई एजेंट है।

मनसे ने सार्वजनिक चेतावनी दी है कि ऐसे तमाशे तुरंत बंद करें। अन्यथा मनसे की धड़क कार्रवाई के लिए तैयार रहें। अगर नहीं सुनेंगे तो राडा तो होगा ही। बता दें कि हाल ही में जानी फायरफॉक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित जानी को सपा के पूर्व प्रवक्ता अभिषेक सोम ने भी धमकी दी थी। अमित जानी ने सीमा हैदर को फिल्म में लेने पर अभिषेक सोम पर धमकी देने का आरोप लगाया था। इसकी शिकायत पुलिस से ट्वीट कर की थी। इसके बाद अभिषेक सोम ने भी नोएडा कमिश्नर को एक शिकायत पत्र अमित जानी के खिलाफ भेजा था। जिसके बाद समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रवक्ता ठाकुर अभिषेक सोम ने सीमा हैदर और अमित जानी को पाकिस्तान जाने की सलाह देते हुए उनके लिए फ्लाइट बुक करवा दी। इसकी जानकारी अभिषेक सोम ने सोशल मीडिया पर शेयर की।

वहीं अमित जानी ने अभिषेक सोम के इस बयान को हास्यास्पद बताया। अमित जानी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां ही पाकिस्तानी हैं। यह समाजवादी पार्टी नहीं, नमाजवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि वह शिवपाल यादव की वजह से समाजवादी पार्टी में रहे हैं। बता दें, अमित जानी ने घोषणा की है कि वह सीमा हैदर और सचिन की लव स्टोरी पर फिल्म बनाएंगे, जिसका नाम कराची टू नोएडा होगा। इसी के साथ सीमा को उदयपुर में हुए दर्जी कन्हैयालाल हत्याकांड पर बन रही फिल्म के लिए भी अमित ने सीमा को रॉ एजेंट का रोल ऑफर किया है। उन्होंने भारत से पाकिस्तान गई अंजू को लेकर भी फिल्म मेरा अब्दुल ऐसा नहीं है बनाने की घोषणा की है।

हर घर तिरंगा लहराने की थीम, पीएम मोदी ने लोगों से की डीपी बदलने की अपील

नई दिल्ली। हर घर तिरंगा लहराने की थीम पर चलते हुए पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट की डीपी बदल ली है। उन्होंने सभी देश वासियों से भी अपनी डीपी बदलने की अपील की है। गौरतलब है कि इस समय पूरे देश में 15 अगस्त की तैयारी धूमधाम से चल रही है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा की अपील देशवासियों से की है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि हर घर तिरंगा आंदोलन की भावना में आइए हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी बदलें और इस अनूठे प्रयास को समर्थन दें जो हमारे प्यारे देश और हमारे बीच के बंधन को गहरा करेगा।

संस्कृति मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत डाकघरों में बिक्री के लिए लगभग 2.5 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज भेजे गए हैं। जनभागीदारी बढ़ने के साथ यह अभियान 'जन आंदोलन' बन गया है। केंद्रीय संस्कृति सचिव गोविंद मोहन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस अभियान को लेकर अभी देश में काफी उत्साह है, जिसे पिछले साल पहली बार शुरू होने पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी।

आजादी के जश्न में खलल डालने वालों की खैर नहीं, सुरक्षा एजेंसियां हुई सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा एजेंसियां इस समय पूरी तरह से सतर्क हैं, आजादी के जश्न में किसी तरह की खलल डालने वालों की खैर नहीं होगी, क्योंकि सुरक्षा के सभी इंतजाम पुख्ता कर लिए गए हैं। इसके लिए खुफिया एजेंसियों ने बैठक कर संभावित खतरों से निपटने के सभी इंतजाम कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि इस बार कुछ तत्व देश की आजादी के जश्न में खलल डालने की साजिश रचने में लगे हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान कुकी या मैतेई समूहों की ओर से विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी के तिरंगा फहराने और राष्ट्र को संबोधित करने के दौरान कुछ सरकार विरोधी तत्व झंडे और तख्तियां लहराने के साथ ही नारे भी लगाने की साजिश रच रहे हैं। हाल ही में नई दिल्ली जिले में खुफिया एजेंसियों ने विशेष सुरक्षा समूह, सीआईएसएफ, दिल्ली पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के साथ स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा तैयारियों को साझा करने के लिए आयोजित एक बैठक में इन सभी संभावित खतरों पर चर्चा की। एक अधिकारी ने कहा कि बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि इस साल स्वतंत्रता दिवस सितंबर में दिल्ली में होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन से एक महीने से भी कम समय पहले पड़ रहा है। इस समारोह से पहले या उसके दौरान किसी भी प्रतिकूल घटना का देश की छवि पर और एक हाई प्रोफाइल कार्यक्रम की मेजबानी करने की तैयारी नकारात्मक असर पड़ेगा। खुफिया एजेंसियों ने यह भी बताया कि विभिन्न समूह अपने मुद्दों को सुर्खियों में लाने के लिए महत्वपूर्ण घटनाओं से पहले या उसके दौरान भी विरोध प्रदर्शन का सहारा पहले भी लेते रहे हैं। किसानों की मांग, समान नागरिक संहिता, श्रम/सेवाओं से संबंधित मुद्दों के अलावा इस साल के आयोजन के लिए सुरक्षा के नजरिये से बताए गए प्रमुख मुद्दों में मणिपुर के हालात भी शामिल थे। दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ खतरे की जानकारी साझा करते समय, उन्हें विरोध प्रदर्शनों पर हर अपडेट हासिल करने के लिए कहा गया है। उन्हें भीड़ और आंदोलन पर नजर रखने के लिए पड़ोसी राज्यों के पुलिस विभागों के साथ भी समन्वय करना चाहिए। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने सोशल मीडिया के बारे में भी चेतावनी दी है, जिसका इस्तेमाल कट्टरपंथ और लोगों को संगठित करने, मशहूर लोगों को धमकियां देने और ऐसे कामों के लिए इनाम देने के लिए तेजी से किया जा रहा है। बहरहाल एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उचित इंतजाम किए गए हैं।

मोदी सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को 'बीमार' बना दिया : खरगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को ''बीमार'' बना दिया है और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे अस्पताल भी चिकित्सकों तथा अन्य कर्मियों की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने यह भी दावा किया कि लोग अब जाग गए हैं और मोदी सरकार की ''विदाई'' का समय अब आ गया है। खरगे ने एक मीडिया रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि 19 एम्स चिकित्सकों एवं अन्य कर्मियों की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर काव्यात्मक अंदाज में लिखा, ''लूट और जुमलों ने देश को किया अस्वस्थ, मोदी जी के हर शब्द में केवल झूठ ही कंठस्थ। दावा किया कि बनाए हैं एम्स कई सारे, सच्चाई है कि 'डॉक्टर-स्टाफ' की भारी कमी से जूझे एम्स हमारे।'' उन्होंने लिखा, ''मोदी जी, कोरोना वायरस महामारी के दौरान उदासीनता से लेकर, आयुष्मान भारत में घपलेबाजी तक ज्आपकी सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को बीमार बनाया है।'' खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''जनता जाग चुकी है, आपका छल-कपट पहचान चुकी है, आपकी सरकार की विदाई की घड़ी आ चुकी है।

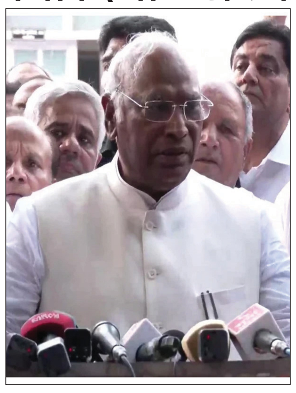

भाजपा आदिवासियों को 'वनवासी' कहकर उन्हें जंगलों तक सीमित करना चाहती है: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जनजातीय समुदायों को जंगलों तक सीमित करने की कोशिश करने और 'आदिवासी' की जगह 'वनवासी' कहकर उन्हें भूखंडों के मूल स्वामित्व के दर्जे से वंचित करने का रविवार को आरोप लगाया। वायनाड के सांसद गांधी ने कुछ दिन पहले राजस्थान में पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए भी यही मामला उठाया था। उन्होंने राजस्थान में कहा था कि भाजपा जनजातीय समुदायों को आदिवासी की जगह 'वनवासी' कहकर उनका 'अपमान' करती है और उनकी वन भूमि छीनकर उद्योगपतियों को देती है। गांधी ने रविवार को वायनाड जिले में मानंतवाड़ी क्षेत्र के नल्लूरनाड स्थित 'डॉ. अंबेडकर जिला मेमोरियल कैंसर सेंटर' में 'एचटी (हाई टेंशन) कनेक्शन' का उद्घाटन करने के बाद आरोप लगाया कि

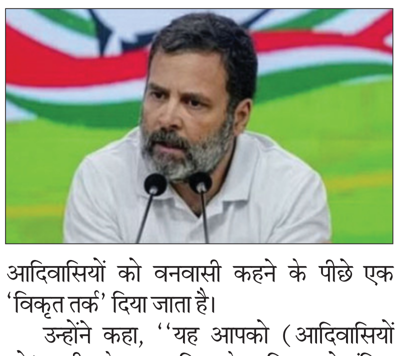

आदिवासियों को वनवासी कहने के पीछे एक 'विकृत तर्क' दिया जाता है।

उन्होंने कहा, ''यह आपको (आदिवासियों को) जमीन के मूल मालिक के अधिकार से वंचित करता है और इसका मकसद आपको जंगल तक ही सीमित रखना है।'' गांधी ने कहा, ''इसका मतलब यह है कि आप जंगल से संबंध रखते हैं और आपको जंगल नहीं छोड़ना चाहिए।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि यह विचारधारा उनके दल को स्वीकार नहीं है, क्योंकि वनवासी शब्द जनजातीय समुदायों के इतिहास एवं परंपराओं को 'तोड़-मरोड़कर पेश' करता है और यह देश के साथ उनके रिश्ते पर एक 'हमला' है। उन्होंने कहा, ''हमारे (कांग्रेस के) लिए आप आदिवासी हैं, भूमि के मूल मालिक हैं।'' गांधी ने कहा कि चूंकि आदिवासी भूमि के मूल मालिक हैं, उन्हें भूमि एवं वन संबंधी अधिकार दिए जाने चाहिए और ''वे जो चाहें, उन्हें वह करने की कल्पना करने की अनुमति दी जानी'' चाहिए। उन्होंने कहा कि इन समुदायों को शिक्षा, नौकरियों, पेशों इत्यादि में वे सभी अवसर दिए जाने चाहिए, जो देश में हरेक को दिए जाते हैं। गांधी ने कहा, ''आपको (जनजातीय समुदायों को) सीमित या वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। पूरा ग्रह आपके लिए खुला होना चाहिए।'' गांधी ने कहा कि आदिवासी शब्द का अर्थ ''एक विशेष ज्ञान, जिस पृथ्वी पर हम रहते हैं उसके पर्यावरण की समझ और ग्रह के साथ संबंध से'' है।

राष्ट्रीय पर्व के मौके पर सभी ज्ञात-अज्ञात शहीदों को याद कर किया नमन : कृष्णपाल गुर्जर

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

पलवल/ ब्यूरो। केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि आज हर गली, हर मोहल्ले में तिरंगा है। हर घर-हर दफ्तर में तिरंगा है। हर वाहन, हर हाथ में तिरंगा है। पूरा देश तिरंगे के रंगों में रंगा है। पूरा देश देशभक्ति के रंग में रंगा है। इस दिन के लिए मां भारती के न जाने कितने ही सपूतों ने अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। इसी दिन के लिए असंख्य देशभक्तों ने कष्ट झेले और यातनाएं सही। मंगलवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम पलवल में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर ध्वजारोहण किया तथा परेड की टुकडियों का निरीक्षण कर भव्य परेड की सलामी ली। उन्होंने राष्ट्रीय पर्व के मौके पर सभी जिलावासियों को बारम्बार बधाई दी। देश की सीमाओं पर मुश्किल हालातों के बीच मुस्तैदी से तैनात वीर जवानों को भी स्वतंत्रता दिवस की विशेष तौर पर बधाई दी। उन्होंने इस पावन अवसर पर स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी ज्ञात-अज्ञात शहीदों को नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम परिसर में स्थित शहीद स्मारक

तथा शिलाफलकम पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि सहित उपस्थिति ने पंच प्रण शपथ भी ली। साथ ही उन वीर सैनिकों को भी सलाम किया, जिन्होंने आजादी के बाद देश की एकता व अखंडता की खातिर अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। समारोह में मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता सेनानियों तथा वीरांगनाओं व उनके परिजनों को शॉल उढाकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि पिछले दो साल से हम सब आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे थे। इस महोत्सव के समापन के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेरी माटी-मेरा देश अभियान शुरू किया है। 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर शुरू किए गए, इस अभियान में देश के हर गांव व हर शहर की मिट्टी इकट्ठी की जा रही है। आजादी के आंदोलन की पहली चिंगारी 10 मई 1857 को हरियाणा के अम्बाला से फूटी थी। उस चिंगारी ने आगे चलकर ऐसा जन-आन्दोलन खड़ा किया, जिसके बलबूते हम सन 1947 में अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने में कामयाब रहे। इस आंदोलन के बलिदानियों की देशभक्ति से हमारी युवा पीढियां प्रेरणा हासिल करें, इसके लिए अम्बाला छावनी में शहीदी स्मारक बनाया जा रहा है। आजादी के बाद भी 1962, 1965 व 1971 के विदेशी आक्रमण से लेकर कारगिल युद्ध तक हरियाणा के वीर जवानों ने वीरता की मिसाल पेश करते हुए देश की आजादी में निरंतर योगदान दिया है। इस दिशा में सैनिक व अर्ध-सैनिक कल्याण विभाग का गठन किया गया है। युद्ध के दौरान शहीद हुए सेना व अर्ध-सैनिक बलों के जवानों की अनुग्रह राशि बढ़ाकर 50 लाख रुपए की गई है। आई.ई.डी. ब्लास्ट के दौरान शहीद होने पर भी अनुग्रह राशि बढ़ाकर 50 लाख रुपए की गई है। अब तक शहीदों के 367 आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नौकरी प्रदान की गई है। मेरी माटी-मेरा देश अभियान में ऐसे ही वीरों के नाम पूरे देश के गांवों के गौरव पट्ट पर अंकित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुशासन से सेवा के संकल्प के साथ जनसेवा का दायित्व संभालने वाली वर्तमान सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास और हरियाणा एक-हरियाणवी एक के मूलमंत्र पर चलते पूरे हरियाणा और हरेक हरियाणवी की तरक्की और उत्थान के लिए काम किया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पारदर्शी शासन दिया है। गीता के कर्म के संदेश की इस पावन भूमि के इतिहास में धार्मिक असहिष्णुता और हिंसा का कोई स्थान नहीं रहा है। इसी के अनुरूप प्रदेश में प्रेम, प्यार और भाईचारे की बयार बहाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। पिछले 9 साल में हरियाणा सद्भाव, सौहार्द, समान विकास, समरसता के साथ-साथ उन बदलावों का साक्षी रहा हैं, जिनसे हर आदमी का जीवन सरल, सुगम और सुरक्षित हुआ है। जनसेवा और जनता के बीच दीवार बन चुकी व्यवस्था को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में न केवल बदलने का काम किया गया है, बल्कि ऐसी व्यवस्था देने का प्रयास किया गया है, जिसमें जन-जन को योजनाओं और सेवाओं का लाभ सरल तरीके से प्राप्त हो। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के दर्शन के अनुरूप प्रदेश के सभी परिवारों का पहचान पत्र बनाया, जिससे पात्र परिवारों की पहचान कर योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित किया गया। प्रशासन में मानव हस्तक्षेप को न्यूनतम करने के लिए आई.टी. का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया गया है। आज हर सरकारी योजना के पारदर्शी तरीके से लागू किए जाने से घर बैठे गरीब की बेटी की शादी का शगुन, बुजुर्ग, विधवा व दिव्यांगों की पेंशन, बी.पी.एल. कार्ड, चिरायु कार्ड का लाभ कम्प्यूटर की एक क्लिक से सीधे पात्र के खाते में जाता है। इस साल को हम अन्त्योदय आरोग्य वर्ष के रूप में मना रहे हैं।

देश के बलिदानियों और भारत मां के वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए निकाली गई तिरंगा यात्राएं: कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

बल्लभगढ़/फरीदाबाद। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह यात्रा देश के बलिदानियों और भारत मां के वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए निकाली गई है। बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा पूरे जोश और हर्ष तथा उल्लास के साथ निकाली गई है। यह तिरंगा यात्रा करीब 4 किलोमीटर लंबी यात्रा सेक्टर- 3 के पुल से शुरू होकर तिगांव रोड मोहना रोड होते हुए सेक्टर- 2 परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय पर सम्पन्न हुई। सकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं और शहर के गणमान्य लोगों ने तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। जहां शहर के युवाओं के साथ साथ बुजुर्गों में देशभक्ति का जोश देखने को मिला। तिरंगा यात्रा में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र तिरंगा यात्रा में देश भक्ति के गीतों पर गूंज उठा। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ के अंबेडकर चौक पर बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर अर्पित की पुष्प माला करते हुए कहा कि हमे बाबा साहेब ने संविधान में लिख कर मौलिक अधिकार और सामाजिक कर्तव्य दिए हैं। बल्लभगढ़ तिरंगा यात्रा में भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, हरको बैंक के चेयरमैन हुकम सिंह भाटी, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुखबीर मलेरना, भाजपा नेता टीपर चंद शर्मा सहित शहर के गणमान्य लोग और भाजपा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार ने दून भारती पब्लिक स्कूल में छात्रों को सड़क सुरक्षा के मद्देनजर 'एक्सीडेंट फ्री फरीदाबाद' पहल के प्रति किया जागरूक

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के दिशा निर्देश व डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन के मार्गदर्शन में फरीदाबाद पुलिस ने शहर की सड़कों को सभी के लिए सुरक्षित बनाने के लिए सड़क सुरक्षा के मद्देनजर %एक्सीडेंट फ्री फरीदाबाद% नामक महत्वाकांक्षी पहल की शुरुआत की थी जिसके तहत एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार ने आजादी के अमृत महोत्सव पर दून भारती पब्लिक स्कूल में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को इस महत्वकांक्षी पहल के बारे में जागरूक करते हुए सड़क सुरक्षा का महत्व समझाया। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि जुलाई माह में शुरू की गई। सएक्सीडेंटफ्रीफरीदाबाद पहल का उद्देश्य विभिन्न माध्यमों से सड़क सुरक्षा जागरूकता और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को बढ़ावा देना है। छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए एसीपी ट्रैफिक ने बताया कि सड़क

दुर्घटनाओं में बहुत से लोगों की जान चली जाती है और इन सड़क दुर्घटनाओं के पीछे का कारण यातायात नियमों की अवमानना करना है। उन्होंने कहा कि हमारे लहू की आवश्यकता सरहद पर है, सड़कों पर नहीं; इसलिए आवश्यक है कि हम सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा अपने और अपने साथियों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के समापन पर छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलवाई गई।

एसआरएस इंटरनेशनल में मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-88 स्थित एस. आर. एस. इंटरनेशनल स्कूल में भारत की आजादी की 76वीं वर्षगाँठ मानते हुए रंगीला भारत थीम पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं इसी के साथ-साथ इस मौके पर सत्र 2022-23 के लिए स्कॉलर बैज सेरेमनी का आयोजन भी किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों को बैज, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विनोद कुमार, ए. सी. पी. ट्रैफिक, फरीदाबाद, विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर विनय गोयल, प्रधानाचार्या श्रीमती कृष्णा मिश्रा, स्कूल मैनेजर तेज प्रकाश पांडेय, शिक्षाविद सी. एल. गोयल उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात छात्रों द्वारा रंगीला भारत थीम पर विभिन्न राज्यों पर आधारित नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। इसके बाद विनोद कुमार, ए. सी. पी. ट्रैफिक, फरीदाबाद और

विद्यालय के मेनेजिंग डायरेक्टर विनय गोयल ने शैक्षणिक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रदर्शन करने वाले कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को बैज व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया व आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा नवीं के विद्यार्थियों ने रंगीला भारत थीम के आधार पर पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर आदि राज्यों की कला व संस्कृति पर आधारित एक आकर्षक प्रस्तुति भी दी। सभी अतिथिगणों व अभिभावकों ने विद्यालय के इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएँ दी। विद्यालय के मेनेजिंग डायरेक्टर श्र विनय गोयल, प्रधानाचार्या श्रीमती कृष्णा मिश्रा, स्कूल मैनेजर तेज प्रकाश पांडेय व शिक्षाविद सी. एलद्म. गोयल ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं। इस मौके पर ट्रैफिक ताऊ ने बच्चों को ट्रैफिक नियमों का भी पाठ पढ़ाया और नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

सेक्टर 11 पुलिस ने हुक्का बार चला रहे आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी बल्लबगढ़ राजेश दुग्गल के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी सेक्टर 11 प्रभारी कर्मबीर व उनकी टीम ने एक बार में हुक्का सर्वे कर रहे बार मलिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपों का नाम शिवम है जो सेक्टर 65 शाहपुरा का रहने वाला है। पुलिस को गुणसूत्र से सूचना प्राप्त हुई की सेक्टर 9/10 डिवाइडिंग रोड के पास स्थित इंपीरियल केज नामक बार में हुक्का परोसा जा रहा है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और देखा तो बाहर में फ्लेवर हुक्का सर्व किया जा रहा था। पुलिस ने बार मालिक से पूछताछ की और मौके से 2 हुक्के व फ्लेवर तंबाकू बरामद कर आरोपी को काबू करके थाने लाया गया जहां उसके खिलाफ कोटपा व पॉइजन एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

20 अगस्त को फरीदाबाद लोकसभा की महारैली को लेकर जननायक जनता पार्टी ने झोंकी ताकत, तिगांव विधानसभा में हुई बड़ी बैठक

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। जननायक जनता पार्टी की फरीदाबाद लोकसभा रैली को सफल बनाने को लेकर जिला अध्यक्ष , राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिनेश डागर का रविवार को बैठक का दौर जारी रहा। इसके मद्देनजर वह तिगांव विधानसभा में प्रदेश प्रवक्ता उमेश भाटी के कार्यालय पर मीटिंग लेने के लिए पहुंचे। इस मौके पर सैकड़ो की संख्या में मौजूद जेजेपी कार्यकर्ताओं ने दिनेश डागर और जेजेपी नेता अजय भड़ाना का जोरदार स्वागत किया। प्रदेश प्रवक्ता उमेश भाटी ने तिगांव विधानसभा में पहुंचने पर दिनेश डागर का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए जेजेपी पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य दिनेश डागर ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि छायसा मोहना में 20 अगस्त को होने वाली

फरीदाबाद लोकसभा की महारैली को लेकर वह आज तिगांव विधानसभा में कार्यकर्ताओं को न्योता देने के लिए पहुंचे हैं। तिगांव विधानसभा के कर्मठ सबके चहेते प्रदेश प्रवक्ता उमेश भाटी के कार्यालय पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं को वह रैली को किस तरीके से सफल बनाया जाए इसको लेकर के आज इस बैठक का आयोजन किया गया है दिनेश डागर ने कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कहा कि फरीदाबाद की रैली ऐतिहासिक रैली होगी और यह रैली सोनीपत की रैली का भी रिकॉर्ड तोड़ देगी, सभी विधानसभाओं में कार्यकर्ता इस रैली को सफल बनाने के लिए जी जान से जुट हुए है डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला जी भी हरियाणा के 10 लोकसभा सीटों में जनता के बीच किए गए विकास कार्यों के वादों को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता उमेश भाटी ने कहा कि तिगांव विधानसभा से हजारों की संख्या में लोग 20 अगस्त की जननायक जनता पार्टी की महा रैली को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देंगे उमेश भाटी ने कहा कि जेजेपी अपने मिशन 2024 का आगाज कर चुकी है इस मिशन के तहत जेजेपी हरियाणा की सभी 10 सीटों पर हर महीने दो ऐतिहासिक रैलियां कर रही है। फरीदाबाद में दूसरी रैली होने वाली है जिसको सफल बनाने में कार्यकर्ताओं में काफी जोश है और कार्यकर्ता डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला जी के हाथ को और ज्यादा मजबूत करने के लिए जी जान से जुट गए है। बैठक में भारत यादव, संजय श्रीवास्तव ,सुरेश कुमार ,आलोक कुमार, पवन कुमार अमित ठाकुर, अमित शर्मा ,अनिता कुमारी, ठाकुर भूकंप सिंह ,गगन सिंह, सीमा श्रीवास्तव, सीमा सिंह, जगबीर चौधरी, ममता कुमारी ,जितेंद्र भारद्वाज, चमन बाबा, जीतू आशीष कुमार , रितिक राजपूत चमन लाल, नकुल ,अजीत सहित काफी संख्या में जेजेपी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिंदू मुस्लिम सिख इसाई एकता के साथ फहराकर तिरंगा झंडा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

पलवल। यासर यूनुस अहमद यूथ अध्यक्ष मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्षता में शेखपुरा स्टेटस मस्जिद में आज स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बड़े जोर-शोर से तिरंगा झंडा फहराकर हिंदू मुस्लिम सिख इसाई एकता की एकता की मिसाल बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की अधिकारियों के साथ बैठक कर की समीक्षा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि जिला स्तरीय 77वें स्वतंत्रता दिवस की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। आजादी के अमृत महोत्सव के समापन श्रृंखला के तहत जिला फरीदाबाद के जिला स्तरीय 77वें स्वतंत्रता दिवस पर भव्य समारोह का आयोजन सेक्टर-12 के हेलीपैड ग्राउंड में होगा, जिसमें हरियाणा के प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी राज्यमंत्री संदीप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करके तथा परेड की सलामी लेंगे। वहीं सबडिविजनल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में बल्लभगढ़ में विधायक सीमा त्रिखा और बड़खल में विधायक दीपक मंगला ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगें। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य रूप से मनाने के लिए हेलीपैड ग्राउंड में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। डीसी विक्रम सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले युद्ध स्मारक पर जाकर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उपायुक्त ने 15 अगस्त को होने वाले समारोह की समय सारणी के अनुसार सारे प्रबंध पुख्ता इंतजाम के साथ किए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि 8ः58 बजे ध्वजारोहण करेंगे तत्पश्चात परेड का निरीक्षण करने के बाद भव्य मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। इसके बाद विभिन्न स्कूलों द्वारा पीटी शो व देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

जाएंगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह का समापन उल्लेखनीय कार्य करने वाले एनजीओ व व्यक्तियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित करके किया जाएगा। उपायुक्त द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए स्वतंत्रता समारोह स्थल पर साफ-सफाई व अन्य सभी प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं। सबडिविजनल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस पर बल्लभगढ़ और बड़खल के दशहरा ग्राउंड में भी ध्वजारोहण कर ली जाएगी मार्च पास्ट की सलामी बल्लभगढ़ के एसडीएम त्रिलोक चंद ने बताया कि विधायक सीमा त्रिखा ध्वजारोहण करके 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह अध्यक्षता की अध्यक्षता करेंगे। विधायक सीमा त्रिखा 77वें स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। बल्लभगढ़ के छात्र-छात्राओं द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के समापन पर सुंदर व मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। वहीं बड़खल के एसडीएम पंकज सेतिया ने बताया कि बड़खल के दहशरा ग्राउंड में पलवल के विधायक दीपक मंगला 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की स्लामी लेंगें। इसके लिए

मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत वायु सेना के जवानो के साथ पौधारोपण कार्यक्रम शुरू

पौधारोपण | मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत वायु सेना के जवानो के साथ पौधारोपण कार्यक्रम शुरू

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। आजादी का जश्न मनाने और वीर जवानों को याद करने के लिए देशभर मे ÷मेरी माटी मेरा देश÷ कार्यक्रम जोरों पर हैं। वही आज इसी कड़ी मे हार्डवेयर चौक से प्याली चौक तक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन कुमाऊ सांस्कृतिक मण्डल (रजि0) फरीदाबाद द्वारा लगभग 60 पोधे ट्री गार्ड के साथ लगाए गए। कार्यक्रम मे वायु सेना स्टेशन फरीदाबाद के लगभग 60 जवान ने शिरकत भी की ओर पोधारोपण कार्यक्रम मे सहयोग किया। पोधारोपण कार्यक्रम के अवसर पर कुमाऊ सांस्कृतिक मण्डल के अध्यक्ष दिगम्बर सिंह बिष्ट जानकारी देते हुए बताया की इस अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान करना है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने बताया की आज हमने उन सभी जवानो को श्रद्धा सुमन

अर्पित करते हुए इस पूरे हार्डवेयर प्याली मार्ग पर नीम, पीपल, बढ़, कदम, पिलखन, गूलर, टीपोबईया, पिलखन, अलिसटोनीय आदि के 8 से 10 फुट के पोधे लगाने का कार्य किया है। इस अवसर पर वायु सेना स्टेशन से आए स्क्वाड्रन लीडर अंकित ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ÷मेरी माटी मेरा देश; आजादी का अमृत महोत्सव का समापन कार्यक्रम होगा, जिसके तहत भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का उत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल आयोजित राष्ट्रव्यापी अभियान, हर घर तिरंगा बेहद सफल रहा था और इस साल आजादी का अमृत महोत्सव के तहत एक और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'मेरी माटी मेरा देश' शुरू किया जा रहा है। जिसमें हम सभी के लिए अपनी विराट संस्कृति विरासत के अवलोकन तथा मातृ भूमि के वीर सपूतों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, के योगदान से प्रेरणा लेने का स्वर्णिम अवसर है। हम सभी संकल्पित होकर इस महोत्सव को मनाएं यह हमारे लिए परम सौभाग्य का अवसर होगा। वायु सेना स्टेशन से आए कैप्टन अमित कुमार ने बताया कि वीरों को श्रद्धांजलि के रूप में शिलाफलकम स्थापित करना, मिट्टी का नमन और वीरों का वंदन; मेरी माटी मेरा देश अभियान के प्रमुख घटक हैं। उन्होंने कहा कि इस साल भी हर घर तिरंगा का आयोजन किया जाएगा, लेकिन इसे मेरी माटी मेरा देश के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में मनाया जाएगा। कैप्टन ने अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने और इसे देश के हर कोने तक ले जाने में मीडिया की भूमिका पर भी प्रकाश डाला व कुमाऊ सांस्कृतिक मण्डल (रजि0) फरीदाबाद के समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम संयोजक हिमांशु भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया की कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को पंचप्राण की शपथ दिलाई व वायु सेना स्टेशन से अधिकारियों के द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गया। कार्यक्रम में वायु सेना स्टेशन से आए अधिकारियों, सैनिकों एवं सहयोगी संस्थानों के लोगों को सम्मानित किया गया।

वंदे मातरम की अमर गाथा, एक गीत जो पवित्र ऋचा बन गया

वन्दे मातरम!
सुजलाम, सुफलाम मलयज–शीतलाम
शस्यश्यामलाम मातरम
वन्दे मातरम
शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम
सुहासिनीम सुमधुरभाषिणीम
सुखदाम, वरदाम, मातरम!
वन्दे मातरम वन्दे मातरम

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे– 'वंदे मातरम'। आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर–अमर गीत के जन्म की कहानी

बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास 'आनंदमठ' में वंदे मातरम् का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म 'आनंदमठ' उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है। 'वंदे मातरम' के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गई पर 'वंदे मातरम्' का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है। 'आनंदमठ' उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग–भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था। बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में 'वंदे मातरम' ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था।

बंकिम बाबू ने 'आनंदमठ' उपन्यास 1880 में लिखा। कलकत्ता की 'बंग दर्शन' मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि 'आनंदमंठ' लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम' को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर 'आनंदमठ' उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला। इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू 'बंग दर्शन' के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कम्पोज हो रहा था। तब कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह 'वंदे मातरम्' लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें 'वंदे मातरम' पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, 'गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा।' सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, 'यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा।' 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी। 1875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास 'कमलाकांतेर दफ्तर' प्रकाशित किया। इस उपन्यास में 'आभार दुर्गोत्सव' नामक एक कविता है। 'आनंदमठ' में संत–गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति 'कमलाकांतेर दफ्तर' के कमलकंात की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर–गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से 'वंदे मातरम्' शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है।

1896 में कलकत्ता में काँग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको? गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया। यह भी माना जाता है कि बंकिम बाबू एक कीर्तनकार द्वारा गाए गए एक कीर्तन गीत 'एसो एसो बंधु माघ आँचरे बसो' को सुनकर बेहद प्रभावित हुए। गीत सुनकर गुलामी की पीड़ा का उन्होंने तीव्र रूप से अनुभव किया। इस एक गीत ने भारतीय युवकों को एक नई दिशा–प्रेरणा दी, स्वतंत्रता संग्राम का महान उद्देश्य दिया। मातृभूमि को सुजलाम–सुफलाम बनाने के लिए प्रेरित किया। 'वंदे मातरम।' इन दो शब्दों ने देश को आत्मसम्मान दिया और देशप्रेम की सीख दी। हजारों वर्षों से सुप्त पड़ा यह देश इस एक गीत से निद्रा से जाग उठा। तो ऐसी दिलचस्प कहानी है वंदे मातरम गीत की।

भारत का स्वतंत्रता दिवस

आजादी यह एक ऐसा शब्द है जो प्रत्येक भारतवासी की रगों में खून बनकर दौड़ता है। स्वतंत्रता हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। तुलसीदास जी ने कहा है 'पराधीन सपनेहुं सुखनाहीं' अर्थात पराधीनता में तो स्वप्न में भी सुख नहीं है। पराधीनता तो किसी के लिए भी अभिशाप है। जब हमारा देश परतंत्र था उस समय विश्व में न हमारा राष्ट्रीय ध्वज था, न हमारा कोई संविधान था।

आज हम पूर्ण स्वतंत्र हैं तथा पूरे विश्व में भारत की एक पहचान हैं। हमारा संविधान आज पूरे विश्व में एक मिसाल है। जिसमें समस्त देशवासियों को समानता का अधिकार है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज भी प्रेम, भाईचारे व एकता का प्रतीक है। भारत वर्ष के महान संविधान रचयिता बाबा साहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर ने संविधान में विशेष रूप से भारत के प्रत्येक नागरिक को आजादी का अहसास कराया है अथवा विशेष अधिकार दिए हैं। जब से हमारा भारत आजाद हुआ है तभी से आर्थिक व तकनीकी रूप से हमारा देश सम्पन्नता की ऊंचाइयों तक पहुंचा है।

आज पूरे विश्व में भारत आशा की किरण बनकर सूर्य की भांति आकाश में चमक रहा है, यह सब आजाद भारत में ही संभव हुआ है। हमें ये आजादी आसानी से नहीं मिली है, इसके लिए देश के शूरवीरों व आजादी के मतवालों ने अपना बलिदान देकर दिलाई है, हमें उनका सदैव आभार मानना चाहिए। आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह सब भारत माता के उन सपूतों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपना सर्वस्व देश के नाम कर दिया था। भारत के प्रसिद्ध विद्वानों, कवियों, इतिहासकारों अथवा लेखकों ने भारत का सामाजिक रूप से सुधार करके भारत की आजादी में चार चांद लगाए।

आज भारत पूर्व विश्व में अतुल्य है। सामाजिक कुप्रथाओं का अंत हुआ, गरीबों का आर्थिक शोषण समाप्त हुआ तथा गांवों की दयनीय स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। आज भारत सहित पूरा विश्व आतंकवाद से जूझ रहा है, जो आजादी के नाम पर एक सबसे बड़ा कलंक है। यह तो हम सभी जानते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। कुछ लोग आतंकवाद का चोला पहन लेते हैं तथा निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं, देशवासियों में भय का माहौल पैदा करते हैं। जिसके परिणामस्वरूप जनता में सरकारी नीतियों व देश के रक्षातंत्र के प्रति भ्रम उत्पन्न होता है। हम सभी भारतीय को चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ एकमत तथा एकजुट होकर सरकार को सहयोग करें।

यह हमारा सौभाग्य है कि हमने भारत की पुण्यभूमि पर जन्म लिया और आजादी के सुंदर वातावरण में सांस ली। देशप्रेम एक पवित्र भाव है जो हर नागरिक में होना अनिवार्य है। कुछ लोग अपने स्वार्थपूर्ति के लिए हमारे पवित्र देश को भ्रष्टाचार की चादर में समेट रहे हैं और देश की भोलीभाली जनता को गुमराह कर रहे हैं। हमें एकजुट होकर ऐसे भ्रष्ट लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है तथा भ्रष्टाचार रूपी रावण का अतिशीघ्र दहन करना चाहिए।

भारत वर्ष को पहले की भांति सोने की चिड़िया बनाना है तथा आजादी का सही अर्थ समझना है, प्रत्येक भारतीय को अपने अधिकारों से ज्यादा अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा, तभी हमारा देश पूरे विश्व में एक महाशक्ति बनकर सामने आएगा। यही हमारा मुख्य ध्येय है। इस आंदोलन में हमारे भारतवासियों ने कई सत्याग्रह आंदोलन किए, लाठियां भी खाईं, कई बार जेल भी गए, और फिर अंग्रेजों को हमारा देश छोड़कर जाने पर मजबूर कर दिया। इस तरह 15 अगस्त 1947 का दिन हमारे लिए स्वर्णिम दिन, इंडिपेंडेंस डे बना। हम, हमारा देश स्वतंत्र हो गए। इसीलिए यह दिन 1947 से लेकर आज तक सभी बड़े उत्साह और प्रसन्नता के साथ मनाते हैं।

भारत माता की जय, हम सब एक हैं, वंदे मातरम।

भारतीय तिरंगे का इतिहास

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना एक ध्वज होता है। यह एक स्वतंत्र देश होने का संकेत है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को इसके वर्तमान स्वरूप में 22 जुलाई 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था, जो 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के कुछ ही दिन पूर्व की गई थी। इसे 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 के बीच भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया और इसके पश्चात भारतीय गणतंत्र ने इसे अपनाया। भारत में ''तिरंगे'' का अर्थ भारतीय राष्ट्रीय ध्वज है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग की क्षैतिज पट्टियां हैं, सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद ओर नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी और ये तीनों समानुपात में हैं। ध्वज की चौड़ाई का अनुपात इसकी लंबाई के साथ 2 और 3 का है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का एक चक्र है। यह चक्र अशोक की राजधानी के सारनाथ के शेर के स्तंभ पर बना हुआ है। इसका व्यास लगभग सफेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर होता है और इसमें 24 तीलियां है।

तिरंगे का विकास

यह जानना अत्यंत रोचक है कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज अपने आरंभ से किन–किन परिवर्तनों से गुजरा। इसे हमारे स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संग्राम के दौरान खोजा गया या मान्यता दी गई। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास आज के इस रूप में पहुंचने के लिए अनेक दौरों में से गुजरा। एक रूप से यह राष्ट्र में राजनैतिक विकास को दर्शाता है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज के विकास में कुछ ऐतिहासिक पड़ाव इस प्रकार हैं:

प्रथम राष्ट्रीय ध्वज 7 अगस्त 1906 को पारसी बागान चौक (ग्रीन पार्क) कलकत्ता में फहराया गया था जिसे अब कोलकाता कहते हैं। इस ध्वज को लाल, पीले और हरे रंग की क्षैतिज पट्टियों से बनाया गया था।

द्वितीय ध्वज को पेरिस में मैडम कामा और 1907 में उनके साथ निर्वासित किए गए कुछ क्रांतिकारियों द्वारा फहराया गया था (कुछ के अनुसार 1905 में)। यह भी पहले ध्वज के समान था सिवाय इसके कि इसमें सबसे ऊपरी की पट्टी पर केवल एक कमल था किंतु सात तारे सप्तऋषि को दर्शाते हैं। यह ध्वज बर्लिन में हुए समाजवादी सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया गया था।

तृतीय ध्वज 1917 में आया जब हमारे राजनैतिक संघर्ष ने एक निश्चित मोड लिया। डॉ.एनी बीसेंट और लोकमान्य तिलक ने घरेलू शासन आंदोलन के दौरान इसे फहराया। इस ध्वज में 5 लाल और 4 हरी क्षैतिज पट्टियां एक के बाद एक और सप्तऋषि के अभिविन्यास में इस पर बने सात सितारे थे। बांयी और ऊपरी किनारे पर (खंभे की ओर) यूनियन जैक था। एक कोने में सफेद अर्धचंद्र और सितारा भी था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र के दौरान जो 1921 में बेजवाड़ा (अब विजयवाड़ा) में किया गया यहां आंध्र प्रदेश के एक युवक ने एक झंडा बनाया और

गांधी जी को दिया। यह दो रंगों का बना था। लाल और हरा रंग जो दो प्रमुख समुदायों अर्थात हिन्दू और मुस्लिम का प्रतिनिधित्व करता है। गांधी जी ने सुझाव दिया कि भारत के शेष समुदाय का प्रतिनिधित्व करने के लिए इसमें एक सफेद पट्टी और राष्ट्र की प्रगति का संकेत देने के लिए एक चलता हुआ चरखा होना चाहिए। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था। तथापि यह स्पष्ट रूप से बताया गया इसका कोई साम्प्रदायिक महत्व नहीं था और इसकी व्याख्या इस प्रकार की जानी थी।

22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने इसे मुक्त भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद इसके रंग और उनका महत्व बना रहा। केवल ध्वज में चलते हुए चरखे के स्थान पर सम्राट अशोक के धर्म चक्र को दिखाया गया। इस प्रकार कंाग्रेस पार्टी का तिरंगा ध्वज अंततः स्वतंत्र भारत का तिरंगा ध्वज बना।

ध्वज के रंग

भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है।

चक्र

इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता

26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते है। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें। सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए:

क्या करें

- राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है।
- किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।
- नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें

- इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए।
- इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों, नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता।
- किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस में क्या अंतर होता है? कैसे फहराया जाता है झंडा

भारत में हर साल दो राष्ट्रीय पर्व का जश्न मनाया जाता है 26 जनवरी और 15 अगस्त। अधिकतर लोग इन दोनों दिवस को एक ही समझते है या इन दोनों का महत्व उन्हें एक ही लगता है। भारत इस साल 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। चलिए जानते हैं इन दोनों में क्या प्रमुख अंतर होता है....

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त

200 साल की ब्रिटिश गुलामी के बाद भारत 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ था। देश की आज़ादी के रूप में हम हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते है। प्रति वर्ष इस दिवस की थीम भी निर्धारित होती है।

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी

15 अगस्त 1947 में आजादी के बाद भारत के पास अपना कानून नहीं था। भारत के नियम–कानून ब्रिटिश कानून के अनुसार थे। इसलिए आजादी के बाद संबिधान बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया।

26 जनवरी या 15 अगस्त किस दिन होती है परेड आयोजित

15 अगस्त के दिन परेड का आयोजन नहीं होता है। बल्कि 26 जनवरी पर सैनिकों, अर्धसैनिक बलों परेड होती है। इस परेड में अलग–अलग सेवा के सैनिक सुंदर प्रस्तुति करते दिखते हैं। साथ ही आप इस दिन विभिन्न राज्य की सुंदर झांकियां भी देखते हैं।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने में क्या अंतर है?

पहला अंतर: 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडे को नीचे से रस्सी द्वारा खींचकर ऊपर ले जाया जाता है, फिर खोलकर फहराया जाता है, जिसे ध्वजारोहण कहा जाता है, क्योंकि यह 15 अगस्त 1947 की ऐतिहासिक घटना को सम्मान देने हेतु किया जाता है, उस समय प्रधानमंत्री जी ने ऐसा किया था। संविधान में इसे अंग्रेजी में Flag Hoisting (ध्वजारोहण) कहा जाता है।

जबकि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा ऊपर ही बंधा रहता है, जिसे खोलकर फहराया जाता है, संविधान में इसे Flag Unfurling (झंडा फहराना) कहा जाता है।

दूसरा अंतर: 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री जो कि केंद्र सरकार के प्रमुख होते हैं, वे ध्वजारोहण करते हैं क्योंकि स्वतंत्रता के दिन भारत का संविधान लागू नहीं हुआ था और राष्ट्रपति जो कि राष्ट्र के संवैधानिक प्रमुख होते हैं, उन्होंने पदभार ग्रहण नहीं किया था। इस दिन शाम को राष्ट्रपति अपना संदेश राष्ट्र के नाम देते हैं। जबकि 26 जनवरी जो कि देश में संविधान लागू होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, इस दिन संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं।

तीसरा अंतर: स्वतंत्रता दिवस के दिन लालकिले से ध्वजारोहण किया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के दिन राजपथ पर झंडा फहराया जाता है।

चौथा अंतर: पूरे भारत में गणतंत्र दिवस ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। जबकि गणतंत्र दिवस के मुकाबले स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा कुछ नहीं होता।

पांचवां अंतर: गणतंत्र दिवस पर देश अपनी सैन्य ताकत और सांस्कृतिक विलक्षणता को दिखाता है।

जबकि स्वतंत्रता दिवस के दिन ऐसा कुछ नहीं होता।

छठा अंतर: 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के दिन समारोह में मुख्य अतिथि आते हैं। जबकि स्वतंत्रता दिवस पर ऐसा नहीं होता है।

सातवां अंतर: 26 जनवरी और 15 अगस्त दोनों ही राष्ट्रीय पर्व हैं। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कहा जाता है और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कहा जाता है।

These low calorie desi snacks can help in weight loss

ATULYA LOKTANTRA

The long weekend is here and it's time to prep-up for some good times with friends and family. So, whether you love chilling at home or love partying with friends, imagining celebrations without good food and drinks is impossible. Here are some fun low calorie snacks, which are made with a desi twist and are super delicious. So, without a further ado just try these simple recipes and enjoy.

Masala Olives

To begin with this healthy and exotic recipe with a desi twist, wash and clean the olives, remove the seeds. Take green and black olives, keep them in a bowl and sprinkle some lemon juice, salt and pepper. Soak them for 1 hour. Next, take a pan and add in 1 tablespoon olive oil, 1 tablespoon of minced ginger, 1 tablespoon of ginger, a pinch of hing, red chili powder, and prepare a tempering. Pour this over the olives and toss nicely and enjoy them anytime.

Tofu Grill

This simple grilled tofu makes for a delicious and protein rich snack. To make this simple recipe, take tofu and cut them into desired shapes. Next, prepare a basting and grilling sauce. Coat the tofu with a mixture of cornflour, soy sauce, red chili powder, pepper and sesame seeds. Marinate for sometime. Next, take skewers and place the tofu with veggies of choice in between and brush a mix of hung curd, black pepper, garam masala and coriander leaves chopped. Place it on a griller or grill it in an airfryer. This healthy snack is worth a try!

Carrot fries

Fond of fries? Then give your indulgence a healthy twist with this yummy recipe. Take carrots and cut them into small strips, coat them in a mixture of olive oil, salt, pepper and red chili powder. Brush it over the strips and bake for some time, sprinkle some chopped coriander, chaat masala and enjoy with dip or sauce.

Chickpea Toss

If you are looking for a protein rich snack that too without compromising on taste, then try this delicious masala tossed chickpeas. To make this easy snack, boil 2 cups of chickpeas and keep aside. In the meantime, heat a pan and add 1 teaspoon of olive oil, 1 teaspoon of minced garlic, 1 teaspoon of ginger paste followed by 2 chopped onions, 3 green chilies, and toss the masala till it turns brown in colour. Then add in red chili powder, pepper, garam masala, salt and lemon juice. Cook the masala and add in the boiled chickpeas. Fry them well and serve hot with coriander and lemon juice.

Peanut Bhel

To make this bhel recipe, soak peanuts for an hour, drain water and keep aside. Next wash and chop onions, tomato, green chilies and coriander leaves. Take a large bowl and add lemon juice, chaat masala, salt, red chili powder, whisk it well and add in green chilies and chopped coriander. Toss it well and mix it with the soaked peanuts. In another bowl, add onion, tomato, boiled and chopped potatoes, murmura, cumin powder and toss it well. Lastly, add the peanut mixture and toss it all together, add sev and enjoy.

Cucumber boats

This no effort snack takes just 10 minutes and is super delicious, take cucumbers, dig out the seeds and keep in a bowl. Whisk it well with green chilies, coriander leaves, hung curd, tahini, salt, pepper and red chili powder, whisk it together. Place them on the cucumber cavity and repeat with the rest of the cucumbers and enjoy with a spicy chutney.

The mysterious Paan that makes you last longer in bed

Yes, don't be surprised, we are talking about a paan that acts like an aphrodisiac and is specially made for newly married couples! This paan is named Kohinoor and is sold at a 48-year-old shop named Tara Paan Centre in Aurangabad, Maharashtra. This paan shop has about 51 paans on its menu and is a place where people come from all parts of the country. The popularity of this paan is not limited to India, but the owner of this shop Mohammed Sarfuddin Siddiqui claims that it is exported to places like Dubai, Kuwait and even Saudi Arabia. (Images courtesy: iStock & Instagram/@food.assassin)

Why this paan is famous?

Priced at INR 5,000, this paan is famous for its aphrodisiac properties and is popularly known as the Indian Viagra. It is said that the effects of this paan can last two-three days and help you rekindle that lost romance. Also, this paan comes in a package in which there is a paan for the female partner as well. Also, legend has it that this paan was earlier made for Nawabs and thus it was named 'Kohinoor'. (Image courtesy: Instagram/@shaukeens_afamilypaancafe)

The 'unknown' secret ingredient

Well, if reports are to be believed then the 'Male Paan' is made of honey, Ambar (a type of resin), gulkand, deer musk or Kastoori, which is INR 70 lakh per kg, saffron priced at INR 2 lakh per kg, rose leaves priced at Rs 80,000 per kg and a rare liquid from West Bengal that's priced at INR 7 lakh per kg that provides a unique fragrance to the paan. This paan is covered with gold leaf The 'Kohinoor Paan' is incomplete without its 'secret ingredients' that Siddiqui refuses to share with anyone, as that's something only his mother knew, and now he knows about it. Even the people working in his shop are unaware of this secret ingredient. This 'Kohinoor Paan' is in reality made of 12 ingredients which are all aphrodisiacs and as per reports, most of the people who come to buy it have only good things to say about it.

'Female Paan' ingredients

As per reports, the female paan is made with Gulab, a lesser quantity of saffron, sweet paan masala, and 'Safed musali', which is a root having medicinal Kohinoor Paan ingredients are clubbed together in the popular Kolkata Meetha Paan Patta, which has a little sweet taste of its own.

The special packaging

As per media reports, Siddiqui sells this paan the most during the wedding season as the demand for it increases. It is sold in a specially designed packaging that includes a small bottle of 'ittar', male paan and female paan and the whole package is given for INR 5,000. The ittar can be massaged on the body or applied on the pillows to make the whole experience enjoyable.

Two factors that increase your risk of stroke and a heart attack, as per study

ATULYA LOKTANTRA

E&periencing a stroke or a heart attack can be life-threatening. These are two of the leading causes of deaths worldwide. While a stroke is characterised by arm weakness, drooping face and speech difficulty, a heart attack can cause chest discomfort, pain in other areas of the upper body, shortness of breath and other signs including cold sweat, nausea and dizziness. In order to prevent these two silent killer diseases, one must be aware of all the risk factors associated with the ailment. According to the US Centers for Disease Control and Prevention (CDC), the leading risk factors for heart disease and stroke are high blood pressure, high low-density lipoprotein (LDL) cholesterol, diabetes, smoking and secondhand smoke e&posure, obesity, unhealthy diet, and physical inactivity.

Why is a stroke or a heart attack concerning?

Stroke and heart attack are often called 'silent killers'. This is because, both these diseases do not always show signs or any early symptoms, causing negligence and leading to deaths. Many times, people don't usually develop symptoms until it's already too late and in certain cases, people misdiagnose the symptoms or mistake it for other benign illnesses.

Factors that can increase the risk of both a stroke and a heart attack

According to the American Heart Association (AHA), social isolation and loneliness can increase the risk of both a heart attack and a stroke by x® percent. The study published in the Journal of the American Heart Association, found that these two factors could be 'significant' predictors of the diseases. Crystal Wiley Cene, who is the chair of the writing committee, which led the study, said, "Over four decades of research has clearly demonstrated that social isolation and loneliness are both associated with adverse health outcomes. "Given the prevalence of social disconnectedness across the U.S., the public health impact is quite significant," she adds.

Who is more at risk?

As per the study authors, social isolation and loneliness seemed to increase with age due to factors including losing a loved one and retirement. However, the study notes that while older adults were more at risk, younger people were also at a risk of loneliness. According to a Harvard University survey, members of Generation Z i.e. between the ages of v} and ww, were considered to be the loneliest generation. This was said to be an outcome of less engagement in meaningful social activities and increased social media use.

Understanding the difference between social isolation and loneliness

Study author Cene said, "Although social isolation and feeling lonely are related, they are not the same thing. "Individuals can lead a relatively isolated life and not feel lonely, and conversely, people with many social contacts may still e&perience loneliness," she added. Having said that, while loneliness is the distressing feeling of being alone or having little connection with people, social isolation is the lack of social contacts or having no in-person contact or interaction with people. Therefore, while the two terms are related, they are somehow different.

What you should do, as per the researchers

According to the researchers, social isolation and loneliness should be taken more seriously as they can be strong risk factors for a stroke or a heart attack. Cene said: "There is an urgent need to develop, implement and evaluate programmes and strategies to reduce the negative effects of social isolation and loneliness on cardiovascular and brain health, particularly for at-risk populations." The researchers further suggested that medical professionals should "ask patients about the frequency of their social activity and whether they are satisfied with their level of interactions with friends and family".

Lifestyle habits to adopt

Apart from taking social isolation and loneliness into consideration, one must pay close attention to their lifestyle. Most of the risk factors associated with heart disease have to do with one's diet, level of activity and one's association with unhealthy habits.

That said, eat healthy, nutritious foods. Practice control and indulge in regular e&ercise. Additionally, quit smoking or alcohol consumption as these greatly increase one's risk of heart diseases and stroke.

The psychological aspect of organ donation in the current scenario

ATULYA LOKTANTRA

Organ donation is considered the highest form of sacrifice a human can make in their life. The process involves the donation of healthy organs and tissues from one person to another in need. There are two types of donation that can take place - live donation and cadaver donation. Live donations are mostly seen among family members and close relatives. In cadaver donation, when the patient is declared brain dead, the next-of-kin is approached for organ donation. Prior consent plays an important role in cadaver donation. In the current scenario, the donation rate for cadaver donation is increasing. Around 20-30% increase has been observed in the post-COVID era.

Various Aspects of Organ Donation:

When it comes to donating an organ, there are various aspects linked such as religious and socio-cultural beliefs and psychological and ethical dilemmas that may influence the decision of organ donation. Most religions consider donation a sacred act. In Hinduism, Lord Ganesha is considered the "God of Transplant Surgery" because he was the first to receive an elephant head (a non-human transplant). In our practice, we have observed monks coming to donate their organs and help somebody (called altruistic donation). In their belief, donating an organ is the best sacrifice or gift one can give to somebody else.

The Age Perspective of Organ Donation:

Although there is no age limit for making an organ donation, people above 65 years of age have less possibility of the acceptance of their organs due to health reasons. It is also true that younger people are more fit to donate, but there have been instances

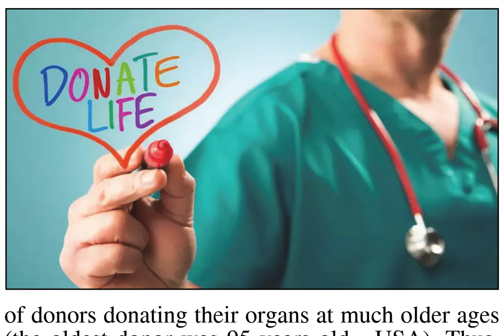

of donors donating their organs at much older ages (the oldest donor was 95 years old - USA). Thus, they can't be ruled out from donating their organs; all that is required is to sign up for donation separately or through an NGO or while applying for Driver's License or other ID certification.

It is also noted that younger people come forward to donate quite often than aged people, but, parents' disapproval of the same comes as a hindrance. The main reason why most parents don't approve of accepting an organ from their kids or letting them donate is the fear of health-related problems in later life.Male psychology and female psychology Various research says that female donation is relatively higher than male globally. Among females, most donations come from mothers to sons/daughters and wives to husbands. Many times, they ask no questions in order to take care of their families at any cost. Women are known to be more emotionally connected in this case. There is a common misconception that donating an organ has a negative impact on health in later life and the fact that men are the breadwinners is what deprives them of making organ donations. Contrary to this belief, organ donation is actually safe and there is no negative impact on health.

Ethical dilemmas for patients and their relatives:

There are ethical dilemmas attached while deciding on donating organs. This happens mostly in cadaver donations because the families are not in a situation to decide on anything. Sometimes, the family of the deceased doesn't accept that s/he is brain dead or they think that donating organs may mutilate the body which is absolutely not true. To handle situations like these, hospitals have counselors (and critical care health experts) who can help and make them realize that their loved ones, even though, are not alive, they may live in other people's bodies.

There are times when the family refuses to donate the organs even when the deceased have given consent which is ethically not correct. They should, instead, honour the decision of the deceased and consider organ donation as an opportunity to help others. Few countries like Spain have implemented regulations for automatic donation where all deceased individuals above 18 are considered organ donors.

Going forward…

At present, organ donation is the only way people can live on in someone else's body. Educating the people and spreading awareness of organ donation can be the way forward to increased organ donations. When people will be aware of the fact that they can save the lives of more than ten people by donating their organs which is the greatest deed anyone can do in a lifetime, there will be much more instances of organ donations than in the present scenario.

Coronavirus: COVID survivors, note! THIS activity may worsen long COVID symptoms, finds study

ATULYA LOKTANTRA

COVID-19 can range from mild to moderate to severe infections. Some people also showcase no symptoms, however, remain contagious. But while most people breathe a sigh of relief once they test negative for the virus, experts say the battle is only half won. Long COVID is a condition, in which some people continue to experience health problems long after having COVID-19. Symptoms can persist for weeks and even months, which is my post-COVID care is of utmost importance. That said, testing negative does not mean you can immediately go back to your daily activities. As a matter of fact, studies have also highlighted the damage it can do to your body. A new study looked into the same and found one activity that can worsen long COVID symptoms significantly. A recent study conducted by a leading British university involved 500 long COVID patients, of which 75 percent reported that exercising made their symptoms worse. Doctor Manaj Sivan, a medical professor at The University of Leeds and the co-author of the study said that long COVID has a strange association with exercise compared to other health problems. It was noted that while many chronic conditions like heart disease, asthma and diabetes were said to heal with the help of exercise, it was the opposite when it came to COVID-19. While the study is said to be limited and inconclusive, the British Medical Journal (BMJ) shares that the primary risk posed by exercising is cardiac injury, including viral myocarditis. According to the Mayo Clinic, myocarditis is inflammation of the heart muscle (myocardium). This inflam-

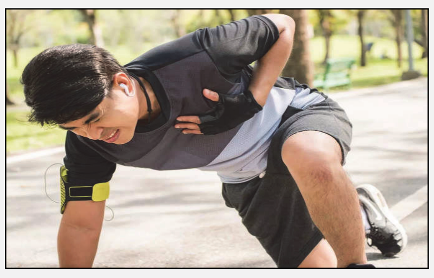

mation is said to reduce the heart's capacity to pump blood efficiently, leading to symptoms including chest pain, shortness of breath, and rapid or irregular heart rhythms also known as arrhythmias. Another study published in the American Journal of Respiratory and Critical Care Medicine tried to find out why COVID-19 causes symptoms like fatigue and how it affects the body. The researchers found that the membrane-bound cell organelles, called mitochondria, did not work properly, when the body is suffering from long COVID. In the study, a group of patients were made to exercise intensely on a bike, while wearing a special mask, and electrodes to monitor their breathing and heart function. The problem with the mitochondria was found in the muscle tissue of the patients but researchers also said that the problems could be due to lung and neurological symptoms. According to the BMJ study, COVID-recovered patients should "only return to exercise after at least seven days free of symptoms, and begin with at least two weeks of minimal exertion." As per Prof. Sivan, "There needs to be careful planning and a structured tailor-made program to become active again."

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
पं. राजेन्द्र शर्मा
लोकसभा अध्यक्ष
आम आदमी पार्टी फरीदाबाद
आम आदमी पार्टी

हर घर तिरंगा
समस्त प्रदेशवासियों को
77वें स्वतंत्रता दिवस
रक्षाबन्धन एवं जन्माष्टमी
की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
राजेश नागर
विधायक (तिगांव)

समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
महेंद्र शर्मा
रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन
सैक्टर, 21 सी फ़रीदाबाद, हरियाणा

एक मौका केजरीवाल को
आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस,
रक्षाबंधन व श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक
शुभकामनाएं
आम आदमी पार्टी
हितेश पालटा
संयुक्त सचिव ट्रेड विंग हरियाणा
आम आदमी पार्टी
मो. 9999944490
ओल्ड फरीदाबाद विधानसभा प्रत्याशी

HAPPY
INDEPENDENCE
DAY
SNP
SNP
Holistic Eternal health &
beauty Grooming center
With DAD Formula
Dr. Hemlata Sharma
Contact us :
91 98107 16019 | 91 99993 56147
Address : Kothi number 557 Sector 21 B Faridabad (Haryana)

BA
HAPPY
INDEPENDENCE
DAY
RAMESHWAR BANSAL
BRIGHT ASSOCIATES
Shop No. 115, Sector-16 Market
Faridabad-121002 (Haryana)
Ph: (0) 0129-2286902, (R) 2286901
Mob.: 9811074799

KOPERTEK®
Pumps & Pipes
Happy
Independence
Day
Customer Care : +91 74280 30390
www.kopertekpumps.co.in

HAPPY
INDEPENDENCE DAY
OAM
STRATEGIC
MANAGEMENT
ESI, EPF | SHOP ACT, FACTORY ACT
LABOUR REGISTRATIONS & COMPLIANCES
INDUSTRIAL MANPOWER (SKILLED/UNSKILLED)
HOUSE KEEPING | HORTICULTURE | STAFF HIRING
MANISH CHAWLA
+91-9873191229 | 0129-4067201
manish.chawla@hrconsultants.com
www.oamhrconsultants.com
5R/8, Shop No. 212, 2nd Floor, Opp. SBI Main Branch, N.I.T Faridabad

समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
गिरीश शर्मा
युवा उद्यमी एवं समाजसेवी
Mob. 9350000800
Sector-07 Faridabad (Haryana)